सतना
30 मई 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

घर में आग लगने से रिटायर्ड आईएएस अफसर की मौत

एसी ब्लास्ट हुआ था ; कॉम्पिटीशन कमीशन के पहले चेयरमैन थे धनेंद्र कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। रिटायर्ड आईएएस अधिकारी धनेंद्र कुमार की दिल्ली के हौज खास स्थित उनके घर में आग लगने से मौत हो गई। शुरुआती जांच के मुताबिक, आग एयर-कंडीशनिंग यूनिट में हुए ब्लास्ट के कारण लगी थी।

हादसे के वक्त घर में पांच लोग मौजूद थे। धनेंद्र के बेटे का अस्पताल में इलाज जारी है।

हरियाणा कैडर के 1968 बैच के आईएएस अधिकारी धनेंद्र कुमार 80 साल के थे। वे वर्ल्ड बैंक में एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर भी रह चुके थे। साथ ही कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (CCI) के पहले चेयरमैन भी थे। CCI एक सरकारी संस्था है जो यह सुनिश्चित करती है कि कोई कंपनी बाजार में अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल न करे। CCI की स्थापना 2003 में हुई थी। आयोग ने पूरी तरह कामकाज मई 2009 से शुरू किया।

राहुल ने दिल्ली में ऑटो ड्राइवरों के साथ खाना खाया

यूनिफॉर्म पहनी, पार्क में आधे घंटे बैठकर बातचीत की ; कहा- संसद में मुद्दे उठाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को दिल्ली के बंगाली मार्केट में बने टोडरमल पार्क में ऑटोरिक्शा ड्राइवर्स के बीच पहुंचे। जहां उन्होंने ऑटोचालकों से बात की। राहुल उनका यूनिफॉर्म पहने भी नजर आए। पार्क में बैठे राहुल के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें वे ऑटो ड्राइवर्स के साथ खाना खाते नजर आ रहे हैं। इस दौरान वे ऑटो की सवारी करते भी नजर आए।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी ने ईरान जंग का विरोध किया

कहा- इसमें हजारों जान गईं, लोग एक लापरवाह फैसले की कीमत चुका रहे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने ईरान जंग का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध अब खत्म होना चाहिए, क्योंकि इसकी सबसे बड़ी कीमत आम लोग चुका रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए ममदानी ने कहा, आज से तीन महीने पहले एक ऐसा युद्ध शुरू हुआ था, जिसके लिए किसी ने वोट नहीं किया था। लेकिन इसकी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जिनकी इसमें कोई आवाज नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में हजारों नागरिकों की जान जा चुकी है। साथ ही 13 अमेरिकी सैनिक भी मारे गए, जो अब कभी अपने परिवारों के पास वापस नहीं लौट पाएंगे।

ममदानी ने कहा कि इस युद्ध का असर सिर्फ युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका के आम लोगों पर भी पड़ रहा है।

एशियन गेम्स के लिए ट्रायल दे सकेंगी पहलवान विनेश फोगाट

सुप्रीम कोर्ट ने अनुमति दी, कहा- आप शानदार रेसलर, लेकिन देश सबसे पहले ; आज से ट्रायल्स

चंडीगढ़,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा की ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के ट्रायल की अनुमति दे दी है। 28 मई को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) ने फोगाट का ट्रायल रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी, जिसे जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की बेंच ने ठुकरा दिया। ये ट्रायल 30 व 31 मई को दिल्ली में होने हैं। इन ट्रायल में प्रदर्शन के आधार पर इसी साल सितंबर में जापान में होने वाली एशियन गेम्स में खिलाड़ियों का चयन होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने 22 मई को दिए आदेश में विनेश फोगाट को चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी थी। इसी फैसले को WFI ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, 'आप शानदार रेसलर हैं, आपने देश को गर्व महसूस कराया है, लेकिन देश पहले है। हाईकोर्ट पूरे शेड्यूल को बाधित नहीं कर

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के जंगलों में लगी आग

धुएं से पहाड़ों में विजिबिलिटी घटी; वायुसेना का ऑपरेशन जारी

शिमला/देहरादून/श्रीनगर, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के जंगलों में लगी आग अब बड़े संकट का रूप लेती जा रही है। हिमाचल प्रदेश के सोलन के कसौली में लगी आग सैन्य प्रतिष्ठानों और रिहायशी इलाकों तक पहुंच गई।

इसके बाद भारतीय वायुसेना को राहत अभियान में उतारना पड़ा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में जंगल की आग गंगोत्री हाईवे तक पहुंच गई और धुएं से घिरे एक गेस्ट हाउस से 70 यात्रियों को सुरक्षित निकालना पड़ा। वहीं जम्मू-कश्मीर के उधमपुर और रामबन जिलों में कई दिनों से जंगल धधक रहे हैं और कई गाँव आग की चपेट में आ गए। धुएं के घने गुबार से पहाड़ों में विजिबिलिटी घट गई है और कई इलाकों में लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। तेज गर्मी, सूखे जंगल और तेज हवाओं के कारण आग लगातार फैल रही है। हिमाचल में वायुसेना ने रात में भी हेलीकॉप्टर ऑपरेशन जारी रखा, जबकि जम्मू-कश्मीर में दुर्गम पहाड़ी इलाकों और तेज हवाओं के कारण राहत अभियान प्रभावित हो रहा है।

उत्तराखंड : 3 लोगों की मौत, 340 हेक्टेयर से ज्यादा जंगल राख

वनाग्नि(फारेस्ट फायर) की 388 से ज्यादा घटनाएं दर्ज।

3 लोगों की मौत, 340 हेक्टेयर से ज्यादा जंगल जल चुके हैं।

उत्तरकाशी के बड़ेथी क्षेत्र में आग बस्ती और गंगोत्री हाईवे तक पहुंची।

चमोली के आदिबदरी क्षेत्र में आग खेतों और गांवों तक फैली।

कालसी क्षेत्र में स्कूल तक पहुंची आग। धुएं से कई इलाकों में दिन में भी धुंध जैसे हालात बने।

पौड़ी में जंगल में आग लगाने के आरोप में 2 लोगों को गिरफ्तार किया।

15 राज्यों में प्री-मानसून बारिश का अलर्ट

यूपी में 100 किमी का तूफान

लखनऊ में प्लेटफॉर्म का शेड गिरा; बिहार में भारी बारिश, 20 जिलों में दिन में अंधेरा

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश, बिहार सहित 15 से ज्यादा राज्यों में शुक्रवार को बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में 6 जिलों में दिन में हीटवेव चलेगी, जबकि शाम को बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं।

राजस्थान में 12 जिलों में बारिश हो सकती है। यहां आंधी का भी अलर्ट है। गुरुवार को श्रीगंगानगर में नौतपा के बीच शाम को ओले गिरे, लेकिन यहां दिन का अधिकतम तापमान 47.1डिग्री रहा।

यूपी में गर्मी के बजाय बारिश-आंधी का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह लखनऊ, प्रयागराज, झांसी और चंदौली में तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। 100किमी. की रफ्तार से हवाएं चलीं। हमीरपुर में तूफान के चलते अंडर कंस्ट्रक्शन पुल गिर गया। जिसमें 6 की मौत हो गई। लखनऊ में रेलवे स्टेशन का टिन शेड गिर गया। 2 लोग घायल हुए।

बिहार में आंधी-बारिश के बीच बिजली गिरने से 3 की मौत हो गई। 20 जिलों में दिन में अंधेरा छाया है। लोग गाड़ियों की लाइट जलाकर चल रहे हैं।

मौसम विभाग बोला- औसत बारिश का अनुमान 2 सेंटीमीटर घटा।

कर्नाटक में 4 डिप्टी सीएम हो सकते हैं,शिवकुमार सीएम होंगे

शपथ अगले हफ्ते संभव; सिद्धारमैया का इस्तीफा मंजूर

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। शुक्रवार को बेंगलुरु पहुंचे राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने नोटिफिकेशन जारी किया। अब मौजूदा डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री होंगे। तब तक सिद्धारमैया कार्यवाहक सीएम रहेंगे। इधर, इस्तीफा देने के बाद सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दिल्ली पहुंचे। सिद्धारमैया ने सोनिया-राहुल से मुलाकात की। इसके बाद वे मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने गए। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक पार्टी सूत्रों ने कहा है कि डीके अगले हफ्ते नए मंत्रियों के साथ शपथ ले सकते हैं। साथ ही सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए 4 डिप्टी सीएम भी बनाए जा सकते हैं।

नई कैबिनेट में 4 डिप्टी सीएम संभावित, खड़गे-सिद्धारमैया के बेटे भी रेस में

पार्टी सूत्रों की मानें तो सीएम के साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी। करीब 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। शिवकुमार कैबिनेट में सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे समेत चार उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना है। दावा किया जा रहा है कि नए मंत्री डिप्टी सीएम सिद्धारमैया की पसंद के होंगे। इनके नामों पर मुहर लगवाने के लिए ही सिद्धारमैया दिल्ली पहुंच गए हैं। उनके साथ-साथ डीके शिवकुमार भी दिल्ली पहुंचे हैं। सूत्रों के मुताबिक सिद्धारमैया के बेटे और विधान परिषद सदस्य (MLC) यतींद्र को DK कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है, ताकि सिद्धारमैया की विरासत को आगे बढ़ाने का संदेश दिया जा सके।

सरकार बोली- नीट मामले पर खुद पीएम की नजर है

सुप्रीम कोर्ट बोला- ये घटनाएं युवाओं को झकझोरने वाली, हम उन्हें निराश नहीं कर सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को NEET-UG पेपर लीक मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इस मामले पर नजर रख रहे हैं ताकी कोई चूक न हो। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि NEET पेपर लीक जैसी घटनाएं युवाओं को झकझोरने वाली हैं। हम युवाओं को निराश नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ऐसे मामलों में जब तक जवाबदेही तय नहीं की जाएगी, ये घटनाएं रुकेंगी नहीं। केस की सुनवाआई कर रहे जस्टिस नरसिम्हा ने शिक्षा मंत्रालय से NEET-UG परीक्षाओं की जांच प्रक्रिया ब्योरा मांगा है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने बताया कि पेपर लीक के बाद बड़े लेवल पर सुरक्षा सुधार किए हैं। देशभर में 3 मई को NEET-UG परीक्षा हुई थी। 7 मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। 21 जून को री-एग्जाम होगा।

यूपी में निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरा, 6 की मौत

अफसर बोले- आंधी-बारिश के चलते हादसा, 3 मजदूरों को बचाया गया

हमीरपुर, एजेंसी। यूपी के हमीरपुर में बेतवा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का स्लैब शुक्रवार देर रात 2 बजे गिर गया। हादसे में 6 मजदूरों की मौत हो गई। स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (SDRF) ने मलबे में फंसे 3 मजदूरों को निकाला। साढ़े 7 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला।

उत्तर प्रदेश ब्रिज कॉरपोरेशन के एमडी धर्मवीर सिंह ने बताया कि आंधी-बारिश के कारण स्लैब गिरा और नीचे सो रहे मजदूर दब गए। हादसे के बाद सहायक अभियंता गजेंद्र कुमार चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। डीपीएम दिलीप कुमार पर विभागीय कार्रवाई शुरू की जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, हमीरपुर में देर रात 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली थी। हादसा शहर से 25 किमी. दूर ललपुरा इलाके में हुआ। मृतकों में 4 बांदा और 2 हमीरपुर के रहने वाले थे। SDRF के अधिकारियों ने बताया कि रात ढाई बजे से शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है।

प्रत्यक्षदर्शी सुरेश कुमार ने बताया

पुल पर दो शिफ्ट में काम होता है। जिस वक्त आंधी आई, पहली शिफ्ट के लोग पुल के नीचे थे, जबकि दूसरी शिफ्ट के 7 मजदूर पुल पर काम कर रहे थे। उनमें मैं भी था। आंधी से बचने के लिए हम लोग पुल पर लेट गए। इसी बीच हादसा हो गया। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम पुल का निर्माण करवा रहा है। इसकी लागत 90 करोड़ रुपए है। 700 मीटर लंबा दो लेन का ब्रिज मोराकांड से कुरारा गांव के बीच बनाया जा रहा है।

सीएम योगी ने जताया गहरा दुख

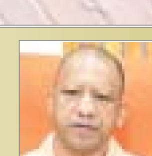

हमीरपुर जनपद में बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल के ढहने से हुई जनहानि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को अत्यंत दुखद और हृदय विदारक बताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ की टीमों के साथ समन्वय स्थापित कर मलबे में दबे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और प्रभावितों को हर संभव मदद मुहैया कराई जाए।

पुणे में जहरीली शराब पीने से 15 की मौत

सीएम फडणवीस ने जांच के आदेश दिए, अब तक 8 लोग हिरासत में

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में जहरीली शराब पीने से पिछले 24 घंटे में 15 लोगों की मौत हो गई है। ये मौतें हडपसर, फुगेवाड़ी, दापोडी और पिंपरी इलाके में हुई हैं।

पुलिस और राज्य आबकारी विभाग ने जॉइंट कार्रवाई करते हुए 8 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें एक अवैध शराब कारोबारी भी शामिल है।

जांच में सामने आया है कि शराब में मेथेनॉल हो सकता है। मामला सामने आने के बाद सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

पुलिस बोली- पांच लोगों की मौत अलग-अलग कारणों से हुई, जांच जारी

स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि प्रतिबंधित हाथ भट्टी की जहरीली शराब पीने से इन लोगों की मौत हुई है। इस मामले को लेकर पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठ रहे हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता तथा पूर्व महापौर योगेश बहल ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

हालांकि, पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस का कहना है कि 5 लोगों की मौत अलग-अलग कारणों से हुई है। लेकिन मृतकों में कई लोगों को मौत से पहले चक्कर आया था, जिससे जहरीली शराब की आशंका जताई गई है।

पीड़ितों में एक से दिखे लक्षण

पुणे से पांच मौतों की सूचना मिली है, जिनमें से तीन काले पाडल में और दो हडपसर में हुई हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि ये मौतें नकली शराब पीने से हुई हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि मौतों का असली कारण फोरेंसिक और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। जांचकर्ताओं ने बताया कि पीड़ितों की ओर से बताए गए लक्षणों में समानताएं थीं। उन्होंने आगे कहा कि कई लोगों ने चक्कर आना, बेहोश होने से पहले बेचैनी, मुंह से झाग निकलना, सांस लेने में कठिनाई और हृदय गति में अचानक गिरावट की शिकायत की।

कर्नाटक में कांग्रेस का चार डिप्टी सीएम के फॉर्मूले पर मंथन, सिद्दरमैया के बेटे को मिल सकती है कैबिनेट में जगह

चेन्नई, एजेंसी। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के इस्तीफे के बाद से कर्नाटक की राजनीति में बड़ा उलफेर देखने को मिल रहा है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक में डीके शिवकुमार के नेतृत्व में बनने जा रही नई सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने के लिए चार डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार आज दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलकर राज्य मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा करेंगे। जिसमें चार डिप्टी सीएम को लेकर भी मंथन होगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक के पूर्व सीएम सिद्दरमैया, डीके शिवकुमार और ढ्ष्ष्ट के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा करेंगे। सूत्रों ने बताया कि इस बैठक के दौरान

राज्यसभा उम्मीदवारों, स्ष्ट उम्मीदवारों और मंत्रिमंडल में फेरबदल पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाएगा।

चार डिप्टी सीएम बनाने की संभावना: सूत्रों ने आगे बताया कि सिद्दरमैया के मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों को डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना कम है। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया कि सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए चार उपमुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं।

सिद्दरमैया के बेटे को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी: सूत्रों के अनुसार, सिद्दरमैया के बेटे और विधान परिषद के सदस्य यतींद्र को डीके शिवकुमार की कैबिनेट में शामिल किए जाने की पूरी उम्मीद है। उन्हें कोई अहम मंत्रालय मिलने की संभावना है, ताकि सिद्दरमैया की विरासत को आगे बढ़ाने का संदेश दिया जा सके। कांग्रेस विधायक दल की बैठक की तारीख आज तय की जाएगी जो कि अब महज एक औपचारिकता ही लगती है। इसके बाद, कर्नाटक के मुख्यमंत्री के तौर पर डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय की जाएगी।

कर्नाटक की चार राज्यसभा सीटों पर होने हैं चुनाव: कर्नाटक में राज्यसभा की जिन चार सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमें से कांग्रेस दो सीटें आसानी से जीतती दिख रही है। तीसरी सीट पर भी उसे बढ़त हासिल है, जिसके लिए उसे बस कुछ और वोटों की जरूरत है। सूत्रों ने बताया कि AICC के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला तीन में से दो राज्यसभा सीटों के लिए नामों का पैनल पेश करेंगे, और खड़गे को राज्यसभा में दोबारा मौका दिया जाएगा। इसके अलावा, राज्य में विधान परिषद (MLC) की सात सीटों पर होने वाले चुनावों के लिए भी संभावित नामों का एक पैनल पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को सौंपा जाएगा।

राज्यपाल ने स्वीकार किया इस्तीफा: कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बीते गुरुवार अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने गुरुवार दोपहर तीन बजे लोकभवन जाकर अपना इस्तीफा सौंप दिया, लेकिन राज्यपाल की अनुपस्थिति के कारण उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ था।

नोएडा के भंगेल एलिवेटेड रोड पर लगेंगे 18.81 करोड़ के नाइज बैरियर, निवासियों को मिलेगी शोर से राहत

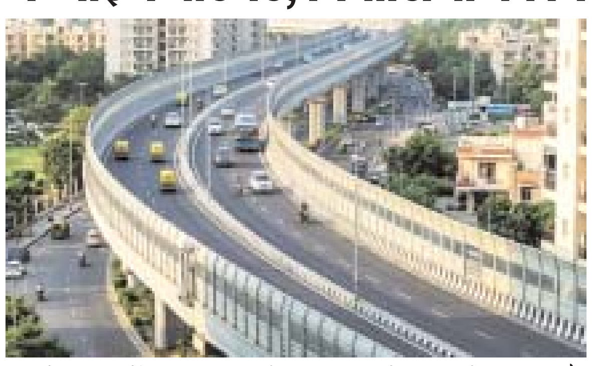

नोएडा, एजेंसी। अगाहपुर से एनएसईजेड सेक्टर-82 तक बने 4.5 किलोमीटर लंबे भंगेल एलिवेटेड रोड पर नाइज बैरियर (ध्वनि अवरोध) लगवाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने टेंडर जारी कर दिया है। एक जून को टेंडर खोले जाएंगे। दो से तीन दिन में कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। इसके बाद काम शुरू कराया जाएगा। संभवता दो माह में बैरियर लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए 18.81 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। एलिवेटेड रोड अगाहपुर, सेक्टर-40, 49, 48, 107 बरौला, भंगेल गांव की आबादी के बीच से निकला है। ट्रैफिक के शोर से आसपास के सेक्टर और गांव के निवासियों की परेशानी को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने ये योजना बनाई है। प्राधिकरण एजेंसी का चयन करेगा। काम पूरा करने में एजेंसी को दो महीने का समय लगेगा। नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्किल आठ वरिष्ठ प्रबंधक रोहित सिंह ने बताया कि साउंड बैरियर छह फिट ऊंचाई के लगवाए जाएंगे। इसके लिए मानक इंडियन रोड कांग्रेस (आइआरसी) से लिए गए हैं। मनुष्य की श्रवण क्षमता 80 डेसिबल होती है। इससे ज्यादा मनुष्य बर्दाश्त नहीं कर सकता है। 0 से 25 डेसिबल पर तक की आवाज शांत वातावरण को दर्शाता है।

यदि आवाज की तीव्रता 80 डेसिबल से अधिक होती है तो मनुष्य बिमार पड़ने लगता है। वहीं, जब आवाज की तीव्रता 130-140 डेसिबल होती है तो व्यक्ति को बेचैनी होने लगती है लगातार इतनी तेज आवाज सुनने पर व्यक्ति बहरा भी हो सकता है।

उन्होंने बताया कि नाइस बैरियर हाईवे और घरों के बीच एक ध्वनि अवरोधक के रूप में काम करते है। यह ध्वनि को समाप्त नहीं करते बल्कि प्रभाव को कम कर उसकी क्षमता को कम कर देते है। यह 50 डेसिबल तक कम करने की क्षमता रखता है। ऐसे में घरों तक पहुंचने वाला ध्वनि प्रदूषण का प्रभाव काफी कम हो जाएगा।एलिवेटड रोड के दोनों ओर नाइज बैरियर लग जाने के बाद यहां पड़ने वाले सेक्टर-42, 48, 49, 47, 110, 107 के लोगों को परेशानी नहीं होगी।

फरीदाबाद में मरीजों को मिलेगी फ्री डायलिसिस, अब दिल्ली भागने की जरूरत नहीं; सीएम सैनी करेंगे शुभारंभ

फरीदाबाद, एजेंसी। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कालेज में मरीजों को डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। साथ ही जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल में मरीजों के स्वजन के ठहरने के लिए विश्राम गृह बनाने के कार्य का शिलान्यास किया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ऑनलाइन शुभारंभ करेंगे। जबकि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव और स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ. मनीष बंसल सहित अन्य अधिकारी जिले में पहुंचेंगे। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में शुक्रवार का दिन बेहद अहम है। जिले के किडनी मरीजों के लिए सिर्फ जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल और एनआइटी तीन स्थित इएसआइसी अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा है। कई बार अव्यवस्था और बेड नहीं होने के कारण मरीजों को निजी अस्पताल व दिल्ली की ओर रूख करना पड़ता है। जिससे मरीजों को दिक्कतों का सामना तो करना ही

पड़ता है। इससे उनकी जेब पर भी असर होता है। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कालेज में मरीजों को डायलिसिस की सुविधा होने से मरीजों को निजी और दिल्ली के अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर इलाज मिल सकेगा। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि मेडिकल कालेज में आधुनिक मशीनों से लैस डायलिसिस यूनिट तैयार कर ली गई है। यहां प्रशिक्षित डाक्टरों और तकनीकी स्टाफ को तैनात किया गया है। डायलिसिस यूनिट पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर शुरू होगी। यानी हरियाणा के निवासियों की बिल्कुल निशुल्क डायलिसिस होगी, जबकि अन्य राज्यों के अलावा रोगियों से सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क देना पड़ेगा। डायलिसिस की सुविधा शुरू होने से आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को फायदा मिलेगा। क्योंकि निजी अस्पतालों में डायलिसिस का खर्च बहुत अधिक है। डायलिसिस यूनिट शुरू होने से गंभीर किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा।

होर्मुज में बढ़ा तनाव ईरान ने चार जहाजों पर दागीं मिसाइल

बुशहर में अमेरिकी विमान गिराने का भी किया दावा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में स्थिति एक बार फिर बेहद संवेदनशील हो गई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी सुरक्षा बलों ने समन्वय की कमी का हवाला देते हुए चार अज्ञात जहाजों पर चेतावनी मिसाइलें दागी हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हालिया सैन्य हमलों के कारण अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। ईरानी राज्य प्रसारक आईआरआईबी की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 12:35 बजे हुई। चार अज्ञात जहाजों ने ईरानी सुरक्षा बलों को सूचित किए बिना फारस की खाड़ी में प्रवेश करने का प्रयास किया। जब इन जहाजों ने चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया, तो ईरानी बलों ने उन पर चेतावनी शॉट दागे, जिसके बाद जहाजों को वापस लौटने पर मजबूर होना पड़ा। ईरान समर्थक मीडिया का दावा है कि इन जहाजों ने तय समुद्री प्रक्रियाओं

का पालन नहीं किया था। फिलहाल इन जहाजों की पहचान और उनकी मंजिल का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन कुछ रिपोर्ट्स में इनके संबंध अमेरिका से होने का दावा किया गया है।

बुशहर में विमान मार गिराने का दावा, यूएस ने किया खारिज: इस घटना के तुरंत बाद, शुक्रवार तड़के ईरानी सरकारी टेलीविजन ने दावा किया कि ईरान की वायु रक्षा प्रणाली ने तटीय बुशहर प्रांत के जाम क्षेत्र में एक अमेरिकी विमान को मार गिराया है। तस्नीम समाचार एजेंसी ने जाम काउंटी के गवर्नर मसूद तंगेस्तानी के हवाले से इस बात की पुष्टि की। हालांकि, समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने ईरानी दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पिछले चार दिनों में दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव काफी तेज हुआ है।

25 मईः अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी मिसाइल ठिकानों और नावों पर हमले किए, जिसमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के चार सैनिक मारे गए।

27 मईः अमेरिकी बलों ने चार ईरानी लड़ाकू ड्रोन मार गिराए और बंदर अब्बास में एक ग्राउंड-कंट्रोल स्टेशन को नष्ट कर दिया।

28 मई : ईरान ने कुवैत में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जिसे हवा में ही सफलतापूर्वक रोक दिया गया।

नए अमेरिकी प्रतिबंध और युद्धविराम पर सस्पेंसः इस सैन्य तनाव के बीच, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान के सैन्य अभियानों को मिलने वाले फंड को रोकने के लिए उसके तेल शिपिंग नेटवर्क पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। इसके तहत आठ तेल टैंकरों को ब्लैकलिस्ट किया गया है, जिनमें मार्शल द्वीप समूह का फ्लोरा, कोमोरोस का होंकायो और पनामा का इल्ल गैप शामिल हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इसका उद्देश्य ईरान को सेना के पुनर्गठन के लिए तेल राजस्व जुटाने से रोकना है।

मरियम नवाज की लाहौर में सर्जरी

अस्पताल से ही सरकारी कामकाज देखने का दावा सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की लाहौर के एक अस्पताल में बड़ी सर्जरी हुई है। प्रांतीय वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मरियम नवाज का ऑपरेशन लाहौर के शरीफ मेडिकल सिटी अस्पताल में हुआ। सर्जरी पूरी होने के बाद उन्हें उनके निवास स्थान 'जति उमरा' में शिफ्ट कर दिया गया है। मंत्री ने यह भी बताया कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान भी मुख्यमंत्री ने राज्य के महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों की निगरानी की। उन्होंने ईद-उल-अजहा के पहले दिन सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य सरकारी मामलों पर नजर रखी। हालांकि, मंत्री ने आधिकारिक तौर पर यह खुलासा नहीं किया कि यह सर्जरी किस वजह से की गई थी। सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के एक सूत्र ने संकेत दिया है कि मुख्यमंत्री को थायराइड से संबंधित कुछ समस्याएं थीं। संभव है कि यह ऑपरेशन उसी समस्या के समाधान के लिए किया गया हो।

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहसः इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कुछ यूजर्स इस बात को लेकर हैरान हैं कि सर्जरी के तुरंत बाद कोई व्यक्ति सरकारी कामकाज कैसे देख सकता है। अदील नाम के एक सोशल मीडिया एक्टिविस्ट ने 'एक्स' पर लिखा कि किसी भी बड़े ऑपरेशन के बाद मरीज को पूरी तरह होश में आने में कम से कम 24 से 48 घंटे का समय लगता है।

नफरत पर भारी पड़ी एकता प्रिटोरिया के मंदिर में उत्पात के बाद एकजुट हुए 30 धार्मिक दल

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया में एक हिंदू संगठन के मंदिर और कम्युनिटी हॉल में उत्पात की घटना सामने आई है। इस हरकत से पूरा समाज दुखी है। लेकिन नफरत फैलाने वाली इस कोशिश के खिलाफ सभी धर्मों के लोग एक साथ खड़े हो गए हैं। एकजुटता दिखाते हुए करीब 30 धार्मिक संगठनों ने एक साझा बयान जारी किया है। सभी ने प्रिटोरिया हिंदू सेवा समाज (पीएचएसएस) का पूरा साथ देने का वादा किया है। दरअसल, बीते सप्ताहांत कुछ शरारती तत्वों ने मंदिर की बाहरी दीवारों और कांच के दरवाजों पर कुछ नारे लिख दिए थे।

त्शवाने के हिंदू, मुस्लिम और ईसाई संगठनों ने इस घटना की जमकर निंदा की है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि लॉडियम के इस हिंदू मंदिर में उत्पात केवल एक समुदाय पर हमला नहीं है। यह हमारे आपसी

सम्मान और शांति से रहने के तौर-तरीकों पर हमला है। पूजा करने की जगहें बहुत पवित्र होती हैं। ये जगहें प्रार्थना करने और समाज को जोड़ने के लिए होती हैं। इनका अपमान हम सबको चोट पहुंचाता है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए वार्ड पार्षद नईम पटेल ने लॉडियम में एक जरूरी बैठक बुलाई।

लॉडियम का अपना एक इतिहास है। रंगभेद के दौर में ग्रुप एरिया एक्ट के तहत भारतीय मूल के लोगों को पूरे शहर से हटाकर इसी इलाके में बसाया गया था। इस मुश्किल दौर में भी यहां के हिंदू, मुस्लिम और ईसाई निवासियों ने अपने पैसों से इस परिसर को बनाया था।

जेडी वेंस बोले-अमेरिका और ईरान समझौते के बेहद करीब, पर यूरेनियम संवर्धन पर अब भी फंसा पेच

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया इस वक्त बारूद के ढेर पर बैठा है। गाजा में बढ़ते सैन्य अभियान, इस्राइल-ईरान के बीच लगातार बढ़ रही तल्खी, लेबनान में फिर तेज होते हमले और अमेरिका की बढ़ती दखल ने पूरे इलाके का तनाव कई गुना बढ़ा दिया है। हालात ऐसे हैं कि हर कुछ घंटे में कोई नया हमला, बड़ा बयान या कूटनीतिक हलचल दुनिया की सुर्खियां बन रही है। तेल कारोबार से लेकर वैश्विक राजनीति तक, हर मोर्चे पर इसका असर दिखाई देने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को रोकने के लिए समझौता लगभग तैयार है, लेकिन अंतिम सहमति से पहले दोनों पक्षों को कुछ बेहद पेचीदा मुद्दों को सुलझाना होगा, जिसकी पुष्टि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रस्तावित डील के तहत युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाया जाएगा और ईरान के

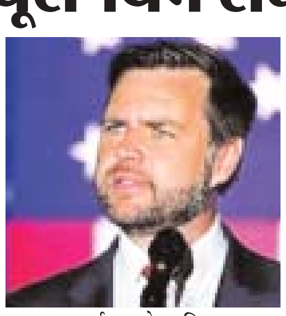

परमाणु कार्यक्रम के भविष्य पर नए सिरे से बातचीत शुरू होगी।

हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों की ओर से समझौते का एक ढांचा तैयार होने की बात कहने के बावजूद, ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने इसके फाइनल होने से इनकार किया है। खुद वेंस ने साफ किया है कि यूरेनियम संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दों पर अभी भी बातचीत का दौर जारी है और जब तक डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी नेतृत्व की अंतिम मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक समझौते की सटीक समयसीमा तय करना जल्दबाजी होगी।

ईरानी दावे को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने किया खारिजः अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरानी मीडिया के उन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान के बुशहर प्रांत में एक अमेरिकी विमान को मार गिराया गया है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर स्पष्ट रूप से बयान जारी कर कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह गलत है, अमेरिका का कोई भी विमान क्रैश नहीं हुआ है और उनके सभी हवाई एसेट्स सुरक्षित और संपर्क में हैं। दोनों देशों के बीच जारी तनाव के बीच इस घटना को एक भ्रामक प्रचार या इन्फॉर्मेशन वॉर के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। हरलान उलमैन बोले- महंगाई और चुनाव के बीच फंसे ट्रंप, ईरान से समझौता करना आसान नहीं पूर्व अमेरिकी नौसैनिक अधिकारी हरलान उलमैन का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले 60 दिनों में समझौता होना मुश्किल है। दोनों देशों के बीच यूरेनियम और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने को लेकर विवाद चल रहा है। अमेरिका में बढ़ती महंगाई के कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर समझौता करने का भारी घरेलू दबाव है। हालांकि, ट्रंप को भरोसा है कि आगामी मध्यावधि चुनावों में उनकी रिपब्लिकन पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी। उल्मन के अनुसार, ट्रंप पर किसी समझौते के लिए कोई जबरदस्ती नहीं है, लेकिन उन्हें इस तनाव को जल्द खत्म करना होगा। अमेरिका अपनी नौसेना को हमेशा के लिए वहां तैनात नहीं रख सकता है और इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

ईरान का बड़ा दावा-आसमान में मार गिराया दुश्मन का विमानः ईरान की वायु सेना ने बुशायर प्रांत में एक दुश्मन के विमान को मार गिराने का दावा किया है।

गैर-विषय शिक्षकों ने जांचीं कॉपी, छात्रों से सोशल मीडिया पर सकारात्मक पोस्ट लिखवाने का दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर उठे विवाद के बीच अब सवाल केवल धुंधली स्कैन कॉपियों, गलत मूल्यांकन और तकनीकी गड़बड़ियों तक सीमित नहीं रह गया है। बोर्ड पर आरोप लग रहा है कि वह सोशल मीडिया पर छात्रों से ओएसएम की पूरी मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर बोर्ड के समर्थन में पोस्ट करवाने के लिए कहलवा रहा है। साथ-साथ मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर भी नए-नए दावे सामने आ रहे हैं। कुछ परीक्षकों का आरोप है कि समय सीमा में मूल्यांकन पूरा करने के दबाव में विषय विशेषज्ञता तक से समझौता किया गया। विवाद की शुरुआत एक रेड्डिट पोस्ट से हुई, जिसमें एक छात्र ने दावा किया कि स्कूल के शिक्षक छात्रों से इंस्टाग्राम पर पोस्ट और स्टोरी डालने के लिए कह रहे हैं। छात्र के अनुसार, उनसे यह लिखने को कहा जा रहा है कि उन्हें बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक मिले और ओएसएम मूल्यांकन से कोई समस्या नहीं हुई। ऋपोस्ट तेजी से प्रसारित होने के बाद सोशल मीडिया पर यह बहस तेज हो गई कि क्या बढ़ते विवाद के बीच सकारात्मक नैरेटिव तैयार करने की कोशिश की जा रही है। छात्र ने यह भी दावा किया कि परीक्षा पास करने के बाद भी वह मानसिक रूप से आहत महसूस कर रहे हैं।

बोर्ड ने नहीं दिया जवाबः इसी बीच, जयपुर के एक पीएम श्री स्कूल द्वारा इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया गया एक वीडियो भी चर्चा में आ गया। वीडियो में एक छात्र सीबीएसई की ओएसएम प्रणाली की तारीफ करता दिखाई दे रहा है और डिजिटल मूल्यांकन के सकारात्मक अनुभव साझा कर रहा है। हालांकि, वीडियो के सामने आने का समय सवालों के घेरे में है, क्योंकि उसी दौरान ओएसएम प्रणाली को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं। हालांकि, इस संबंध में सीबीएसई प्रवक्ता से जवाब मांगा गया लेकिन कोई उत्तर नहीं आया। रेड्डिट में एक छात्र द्वारा किया गया पोस्ट जिसमें वह स्कूल के शिक्षक पर ओएसएम के समर्थन में इंस्टाग्राम पर पोस्ट और स्टोरी डालने के लिए कह रहे हैं। सौजन्य- इंटरनेट मीडिया

जो शिक्षक मिला उसी से कॉपियां जांच कराई: अब मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। कुछ शिक्षकों का दावा है कि आनलाइन जांच के दौरान कई विषयों की कॉपियां निर्धारित समय तक पूरी नहीं हो पा रही थीं। ऐसे में उपलब्ध शिक्षकों को कॉपियां आवंटित कर दी गईं। आरोप है कि रसायन विज्ञान की कॉपियां गैर-विषय शिक्षकों तक पहुंचीं, जबकि अंग्रेजी की उत्तर पुस्तिकाएं तक योग शिक्षक को जांचने के लिए दी गईं। शिक्षकों का कहना है कि कई परीक्षक पहली बार डिजिटल प्रणाली पर काम कर रहे थे और वास्तविक मूल्यांकन के दौरान ही सॉफ्टवेयर समझते हुए जांच कर रहे थे।

पूरी मूल्यांकन प्रणाली पर सवालः कुछ शिक्षकों ने यह भी दावा किया कि मूल्यांकन पूरा करने के लिए सख्त समय सीमा तय की गई थी। कई मामलों में 12 मई की रात तक लक्ष्य पूरा करने का दबाव था ताकि 13 मई को परिणाम समय पर जारी किए जा सकें। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बोर्ड परीक्षाओं में विषय विशेषज्ञता से समझौता हुआ है, तो यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं बल्कि पूरी मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल है।

उड़ान ही नहीं पूरी यात्रा का अनुभव बदलेगी एअर इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया अब यात्रियों की यात्रा को सिर्फ उड़ान तक सीमित नहीं मान रही, बल्कि पूरी एंड-टू-एंड कस्टमर जर्नी के रूप में देख रही है। एअर इंडिया ने यात्रियों के अनुभव से जुड़े 28 से अधिक टचप्वाइंट्स चिन्हित किए हैं, जिनमें यात्रा की योजना बनाने से लेकर टिकट बुकिंग, एयरपोर्ट पहुंचना, चेक-इन, सुरक्षा जांच, लाउंज, बोर्डिंग, इन-फ्लाइट सेवाएं, बैगेज, कनेक्टिंग फ्लाइट्स और यात्रा के बाद फीडबैक तक हर चरण शामिल है। एअर इंडिया के मुख्य ग्राहक अनुभव अधिकारी राजेश डोगरा का कहना है कि कंपनी यात्रियों की सहूलियत के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठा रही है। एयरलाइन का मानना है कि हर टचप्वाइंट यात्री के अनुभव को प्रभावित करता है। इसी वजह से एअर इंडिया अब उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है जहां ग्राहक अनुभव का सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है, जैसे कि डिजिटल सेवाएं, ग्राउंड हैंडलिंग, इन-फ्लाइट एम्बियंस, भोजन एवं पेय सेवाएं, मनोरंजन और क्रू सर्विस।

केबिन और ग्राउंड आपरेशंस में बड़े सुधारः यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एअर इंडिया अपने पुराने विमानों के केबिन को पूरी तरह रीट्रोफिट कर रही है। इन विमानों में नई और अधिक आरामदायक सीटें, अत्याधुनिक इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट सिस्टम और बेहतर लेगरूम जैसी सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। एअर इंडिया ने अपने ग्राहक सेवा नेटवर्क को भी मजबूत किया है।

पश्चिम एशिया संघर्षः अमेरिकी वित्त मंत्री का दावा- आर्थिक नाकेबंदी से बेदम ईरान अब परमाणु डील के लिए मजबूर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच महीनों से जारी भारी तनाव के बाद आखिरकार एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिलती दिख रही है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एलान किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई और आर्थिक प्रतिबंधों की रणनीति रंग लाई है। इसी भारी दबाव की वजह से ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करने के लिए टेबल पर आने को मजबूर हुआ है। बेसेंट ने कहा कि यह सफलता आज तक कोई दूसरा अमेरिकी प्रशासन हासिल नहीं कर पाया था। अब ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से छोड़ना होगा। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान के साथ कोई भी समझौता पूरी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा पर निर्भर करता है। ट्रंप अमेरिकी जनता के हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे। इस समझौते के लिए अमेरिका ने ईरान के सामने बेहद सख्त शर्तें रखी हैंः- ईरान को गारंटी देनी होगी कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह मुक्त करना होगा। जब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह नहीं खुलता और ईरान यूरेनियम सौंपने पर राजी नहीं होता, तब तक कोई भी डील फाइनल नहीं होगी। ईरान की ओर से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद किए जाने से वैश्विक तेल सप्लाई ठप हो गई थी। फिलहाल करीब 2,000 व्यापारिक जहाज खाड़ी से बाहर निकलने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, बातचीत शुरू होने से मई में कच्चे तेल की कीमतें 10 फीसदी तक गिर चुकी हैं और संकट टलते ही दाम और तेजी से नीचे आएंगे। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के वार्ताकारों ने 60 दिनों के अस्थायी समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार कर लिया है। इसका उद्देश्य मौजूदा नाजुक युद्धविराम को आगे बढ़ाना है। मंगलवार तक सभी शर्तें तय हो चुकी हैं, बस दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी बाकी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अंतिम मसौदे की समीक्षा के लिए कुछ दिनों का समय मांगा है।

जनगणना के लिए तैयार है सीधी' अभियान बना जनभागीदारी का उदाहरण, मकान सूचिकरण एवं गणना कार्य समय से पहले पूर्ण

व्यापक जनजागरूकता और नवाचारों से जनगणना 2027 के प्रथम चरण में सीधी ने दर्ज की उल्लेखनीय उपलब्धि

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जिले में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य निर्धारित समय सीमा से पूर्व सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है जनगणना कार्य को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाए गए जनगणना के लिए तैयार है सीधी अभियान को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ, जिसके परिणामस्वरूप जनगणना के प्रति लोगों में अभूतपूर्व जागरूकता और सहभागिता देखने को मिली मीडिया ब्रीफिंग के दौरान नोडल अधिकारी संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला ने बताया कि भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनगणना 2027 का आयोजन दो चरणों में किया जा रहा है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक निर्धारित था जबकि जिले में यह कार्य 20 मई को ही पूर्ण कर लिया गया। जनगणना का दूसरा चरण फरवरी 2027 में व्यक्तियों की गणना के रूप में संपादित किया जाएगा उन्होंने बताया कि जिले में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना अभियान भी चलाया गया, जिसमें 1328 नागरिकों ने स्वयं अपनी गणना दर्ज कराई। इस अभियान में सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर आमजन को स्व-गणना के लिए प्रेरित कियाजिले में जनगणना कार्य के लिए कुल 12 चार्ज बनाए गए थे, जिनमें 8 ग्रामीण एवं 4 शहरी क्षेत्र शामिल हैं। प्रथम चरण को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने जनजागरूकता के अनेक अभिनव प्रयास किए। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनगणना के लिए तैयार है सीधी अभियान के पोस्टर प्रमुख स्थानों, शासकीय भवनों और चौराहों पर लगाए गए। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न वर्गों को जोड़ते हुए जनगणना के महत्व का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया अभियान के दौरान सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को जनगणना संदेश वाले बैंड और बैज पहनाकर जनजागरूकता का संदेश दिया गया प्रमुख जनगणना अधिकारी द्वारा जिले के सभी चार्ज क्षेत्रों में पहुंचकर जनगणना शपथ दिलाई गई तथा लोगों को जनगणना में सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया विशेष पहल के तहत वरिष्ठ नागरिकों ट्रांसजेंडर समुदा समाजसेवियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के घर पहुंचकर गणना कराई गई गैस सिलेंडरों पर स्टिकर लगाकर, एलईडी वैन के माध्यम से ऑटो एवं ई-रिक्शा पर पोस्टर और वीडियो प्रदर्शित कर जनगणना का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया स्कूलों में रंगोली छात्र-छात्राओं की सहभागिता, स्काउट-गाइड गतिविधियों तथा सामूहिक विवाह समारोह जैसे आयोजनों के माध्यम से भी जनगणना को जन-अभियान का स्वरूप दिया गया नोडल अधिकारी राजेश शुक्ला ने जनगणना कार्य के सफल क्रियान्वयन में सहयोग देने वाले सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों गणनाकारों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया की सकारात्मक भूमिका से जनगणना का संदेश समाज के हर वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचा है उन्होंने नागरिकों से अपील की कि आगामी चरण में भी जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करें, ताकि जिले की सही एवं अद्यतन जानकारी राष्ट्रीय विकास की योजनाओं के निर्माण में उपयोगी सिद्ध हो सके पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कंट्रोल रूम स्थापित है ।

ग्रामीणों को गांव में ही मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

नौढ़िया, छुहिया, चकडौर और बहरी में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 30 मई को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को उनके गांव के समीप ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 30 मई 2026 को विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा शिविरों के सफल संचालन हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 मई को शाम 4 बजे से 7 बजे तक जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की चयनित ग्राम पंचायतों में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें धौहनी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत नौढ़िया (मझौली), सीधी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत छुहिया, चुरहट विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत चकडौर तथा सिहावल विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत बहरी शामिल हैं इन विशेष स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को स्वास्थ्य परीक्षण चिकित्सकीय परामर्श आवश्यक उपचार संबंधी मार्गदर्शन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी एवं लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा शिविरों में स्वास्थ्य विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग सामाजिक न्याय विभाग तथा आयुष विभाग की संयुक्त भागीदारी रहेगी जिससे ग्रामीणों को समेकित एवं प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें शिविरों के सुचारु संचालन के लिए संबंधित क्षेत्रों के सीडीपीओ एवं बीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। निर्देशानुसार शिविर ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन अथवा अन्य उपलब्ध शासकीय परिसरों में आयोजित होंगे जिला प्रशासन द्वारा शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए हैं। ग्राम पंचायतों में मुनादी कराकर आमजन को शिविरों की जानकारी दी जाएगी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी कार्यक्रम से अवगत कराया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणजन इन शिविरों तक पहुंचकर लाभ प्राप्त कर सकें।

रीवा लोकायुक्त ने पकड़ा, इंक्रीमेंट-वेतन बढ़ोतरी के लिए मांगे थे 7 हजार रुपए आदिम जाति विभाग का बाबू रिश्वत लेते गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बैढ़न स्थित सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग में पदस्थ एक बाबू को रीवा लोकायुक्त टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया यह कार्रवाई शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे की गई आरोपी बाबू मुन्नालाल वर्मा पर एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से इंक्रीमेंट और वेतन वृद्धि की प्रक्रिया पूरी करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप था।

शिकायत के बाद तैयार हुआ ट्रैप: देवसर परियोजना कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी श्रवण कुमार तिवारी ने 25 मई को रीवा लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि बाबू ने काम कराने के लिए 7 हजार रुपये की मांग की है। शिकायत की जांच के बाद लोकायुक्त टीम ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई।

5 हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़ाया: योजना के तहत शुक्रवार को शिकायतकर्ता ने आरोपी को पहली किस्त के रूप में 5 हजार रुपये दिए। जैसे ही बाबू ने यह राशि ली पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया गिरफ्तारी के बाद टीम ने मौके पर जरूरी दस्तावेजी कार्रवाई पूरी की। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

डिजिटल ग्राम पंचायत की ओर बढ़ता सीधी, अब घर बैठे जमा कर सकेंगे पंचायत कर

जिला पंचायत की पहल से कर भुगतान प्रक्रिया होगी आसान, पारदर्शी और पूर्णत: ऑनलाइन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्राम पंचायतों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और कर वसूली प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल एवं प्रभावी बनाने की दिशा में जिला पंचायत सीधी ने महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में जिले की ग्राम पंचायतों में ऑनलाइन कर भुगतान व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इस व्यवस्था के लागू होने से अब ग्रामीण नागरिक घर बैठे ही सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से ग्राम पंचायत कर का ऑनलाइन भुगतान कर सकेंगे इस पहल के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायत सचिवों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में बैनर, पोस्टर एवं व्यापक जनजागरूकता अभियान के माध्यम से नागरिकों को ऑनलाइन कर भुगतान सुविधा की जानकारी दें, ताकि अधिक से अधिक लोग डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकें मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित पोर्टल के माध्यम से नागरिक संपत्ति कर, जल कर स्वच्छता कर एवं प्रकाश कर का ऑनलाइन भुगतान आसानी से कर सकते हैं भुगतान पूर्ण होने पर नागरिकों को डिजिटल रसीद भी प्राप्त होगी, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनेगी स्व-राजस्व बढ़ेगा तो विकास कार्यों को मिलेगी नई गति: ऑनलाइन कर भुगतान व्यवस्था से ग्राम पंचायतों की राजस्व वसूली में वृद्धि होगी तथा सभी अभिलेख डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेंगे। इससे पंचायतों की वित्तीय व्यवस्था अधिक मजबूत होगी और विकास कार्यों की योजना बनाने में भी सुविधा मिलेगी। पंचायतों की स्व-राजस्व क्षमता बढ़ने से सड़क, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्यों को गति मिलेगी डिजिटल भुगतान व्यवस्था से नगद लेनदेन में कमी आएगी, जिससे वित्तीय पारदर्शिता बढ़ेगी और अनियमितताओं की संभावनाएं भी कम होंगी। साथ ही ऑनलाइन डाटा उपलब्ध रहने से पंचायतों को बेहतर वित्तीय प्रबंधन एवं बजट नियोजन में सहायता प्राप्त होगी।

लोकसंस्कृति और प्रतिभा का संगम बना सांदीपनि कन्या विद्यालय का समर कैम्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय सांदीपनि कन्या विद्यालय सीधी में आयोजित 20 दिवसीय समर कैम्प का समापन रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा के प्रदर्शन के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र सीधी विनय मिश्रा तथा बीआरसीसी डॉ. राजेश पाण्डेय उपस्थित रहे समारोह में छात्राओं ने बुंदेली एवं बघेली लोकसंस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत करते हुए भोलनिया गैलिहाई और सुमिरनी गीतों पर शैला, लाठी एवं अहिराई नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। लोकगीत, दादरा, मंच संचालन, सामाजिक व्यवहार एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। चित्रकला गतिविधियों में भी छात्राओं की कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता देखने को मिली इंद्रावती नाट्य समिति सीधी एवं प्रशिक्षक आकांक्षा त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में छात्राओं को कला, संस्कृति, व्यक्तित्व विकास और अभिव्यक्ति कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन समारोह में छात्राओं ने अपने सीखे हुए कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन कर सभी की सराहना प्राप्त की प्राचार्य आरती पाण्डेय ने कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच और सर्वांगीण विकास को नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की समर कैम्प में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षकों, शिक्षकों एवं छात्राओं के योगदान की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

युवा संगम में उमड़ा युवाओं का उत्साह, 663 युवाओं का प्राथमिक चयन

रोजगार के साथ स्वरोजगार पर भी विशेष जोर, एक मंच पर मिले अवसर और मार्गदर्शन कौशल और आत्मविश्वास से युवा लिखेंगे सफलता की नई इबारत - विधायक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं कौशल विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली परिसर में युवा संगम रू रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया गया। विधायक कुंवर सिंह टेकाम के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस मेले में युवाओं का उत्साह देखते ही बना। रोजगार की नई संभावनाओं से रूबरू होने के लिए बड़ी संख्या में युवक-युवतियां शामिल हुए मेले में कुल 702 युवाओं ने पंजीयन कराया, जिनमें से विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा साक्षात्कार एवं कौशल मूल्यांकन के बाद 663 युवाओं का प्राथमिक स्तर पर चयन किया गया। कार्यक्रम के दौरान चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए, जिससे उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और भविष्य की नई उम्मीदें झलक उठीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा ही देश एवं प्रदेश के विकास की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में युवाओं को रोजगार, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अनेक योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। आज का समय केवल डिग्री प्राप्त करने का नहीं, बल्कि कौशल अर्जित कर स्वयं को रोजगार योग्य बनाने का है उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल नौकरी उपलब्ध कराना नहीं बल्कि ऐसे आत्मनिर्भर युवा तैयार करना है जो स्वयं रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर सकें उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे शासन की विभिन्न योजनाओं प्रशिक्षण कार्यक्रमों स्टार्टअप एवं स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाकर अपने सपनों को साकार करें विधायक ने कहा कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं और उद्योग जगत के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करते हैं। एक ही मंच पर विभिन्न कंपनियों से सीधे संवाद और चयन की सुविधा मिलने से युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने जिले के युवाओं की प्रतिभा और क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि उचित मार्गदर्शन एवं अवसर मिलने पर सीधी जिले के युवा किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं मेले में रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी और मार्गदर्शन पर भी विशेष फोकस किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी देकर युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित किया गया, ताकि वे रोजगार तलाशने के साथ-साथ रोजगार सृजनकर्ता बनने की दिशा में भी आगे बढ़ सकें जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय आईटीआई सीधी, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा ग्रामीण आजीविका मिशन सीधी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मेले में देश एवं प्रदेश की 10 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने युवाओं का साक्षात्कार लेकर उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए यह आयोजन युवाओं के लिए केवल रोजगार प्राप्त करने का मंच नहींबल्कि उनके सपनों को नई दिशा देने, आत्मविश्वास बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनने की प्रेरणा का भी माध्यम बना।

उजियार से रोशन होंगे बैगा अंचल के सपने पोड़ी से शुरू हुई विशेष साक्षरता पहल शिक्षा, आत्मनिर्भरता और जागरूकता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। दूरस्थ आदिवासी अंचलों में शिक्षा की नई रोशनी पहुंचाने और समाज के अंतिम व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के संकल्प के साथ जनपद पंचायत कुसमी एवं सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त प्रयास से विशेष साक्षरता अभियान उजियार का शुभारंभ ग्राम पोड़ी में विधायक कुंवर सिंह टेकाम द्वारा किया गया। यह पहल विशेष रूप से बैगा जनजाति एवं अन्य वंचित समुदायों के जीवन में ज्ञान, जागरूकता और आत्मनिर्भरता का प्रकाश फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि शिक्षा केवल अक्षर ज्ञान नहीं बल्कि सम्मान आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की कुंजी है उन्होंने कहा कि उजियार अभियान के माध्यम से उन बसाहटों तक शिक्षा पहुंचाई जाएगी, जहां आज भी अनेक लोग पढ़ने-लिखने जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं विशेष साक्षरता कक्षाओं के माध्यम से लोगों को पढ़ना लिखना सामान्य गणना करना बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करना अपनी जमीन एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को समझना तथा शासन की योजनाओं का लाभ लेने योग्य बनाया जाएगा उन्होंने कहा कि सरकार समाज के प्रत्येक व्यक्ति के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और कोई भी व्यक्ति केवल जानकारी या संसाधनों के अभाव में पीछे न रह जाए इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे शिक्षा को अपने परिवार और समाज के विकास का सबसे बड़ा माध्यम मानते हुए इस अभियान से जुड़ें विधायक टेकाम ने शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणादायक घोषणा करते हुए कहा कि यदि कोई छात्र या छात्रा आर्थिक अभाव के कारण डी.एड., डी.एल.एड. अथवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ है तो उसकी पढ़ाई में हर संभव आर्थिक सहयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भी 45 विद्यार्थी इस प्रकार के सहयोग से अपनी पढ़ाई जारी रखे हुए हैं। उनकी इस घोषणा का उपस्थित ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी ज्ञानेंद्र मिश्रा ने कहा कि कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार जनपद पंचायत और शिक्षा विभाग द्वारा क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति को साक्षर बनाने तथा प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही विकसित समाज की आधारशिला है। हमारा लक्ष्य है कि कुसमी क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति अशिक्षा के कारण विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे जब प्रत्येक नागरिक जागरूक और साक्षर होगा तभी शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा और विकसित कुसमी की परिकल्पना साकार होगी बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि क्षेत्र की सभी बसाहटों में विशेष सर्वेक्षण कर ऐसे व्यक्तियों की पहचान की जा रही है जो अब तक साक्षरता से वंचित हैं अभियान के माध्यम से उन्हें शिक्षा से जोड़ने के साथ-साथ सामाजिक,आर्थिक और शासकीय योजनाओं की उपयोगी जानकारी भी प्रदान की जाएगी ताकि वे अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक बन सकें।

आवेदकों से मनमानी शुल्क वसूली की शिकायतों पर प्रशासन सख्त, बैठने एवं पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आमजन को पारदर्शी एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपखंड अधिकारी रामपुर नैकिन विकास आनंद द्वारा तहसील कार्यालय परिसर के बाहर संचालित दुकानों एवं सेवा प्रदाताओं का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान दुकानों द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं एवं उनसे लिए जा रहे शुल्क की जानकारी ली गई निरीक्षण के दौरान दुकानदारों एवं सेवा प्रदाताओं को स्पष्ट रूप से रेट लिस्ट प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए, ताकि नागरिकों को सेवाओं के निर्धारित शुल्क की जानकारी आसानी से मिल सके और अनावश्यक वसूली पर रोक लगाई जा सके उपखंड अधिकारी ने रजिस्ट्री लेखकों एवं अन्य सेवा प्रदाताओं के लाइसेंसों की भी जांच की तथा सभी को अपने प्रतिष्ठानों में रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह तथ्य सामने आया कि एक पृष्ठ के साधारण आवेदन लिखने के लिए भी कुछ स्थानों पर आवेदकों से अत्यधिक शुल्क लिया जा रहा है जिसकी शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थीं इस पर प्रशासन ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्धारित एवं उचित शुल्क ही लेने की हिदायत दी जांच में कुछ दुकानों के पास नगर परिषद की अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) नहीं पाई गई। ऐसे संचालकों को आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही दुकानदारों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि उनके यहां आने वाले आवेदकों के लिए बैठने एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था उपलब्ध रहे उपखंड अधिकारी विकास आनंद ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता नागरिकों को पारदर्शी, सुलभ और सम्मानजनक सेवाएं उपलब्ध कराना है। आमजन से किसी भी प्रकार की अनुचित वसूली अथवा असुविधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कर्नाटक में परिवर्तन

संपादकीय

त्यागपत्र देने को तैयार हुए सिद्दरमैया ने यह तो माना कि आलाकमान ने जैसा कहा, वैसा किया, पर वे राज्यसभा आने को तैयार नहीं।

आखिरकार कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने त्यागपत्र दे दिया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के उनकी जगह आसीन होने का रास्ता साफ हो गया। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा लंबे समय से हो रही थी और इसे लेकर खींचतान भी जारी थी, लेकिन कुछ तय नहीं हो पा रहा था। शिवकुमार का दावा था कि 2023 में सरकार गठन के समय सिद्दरमैया और उनके बीच ढाई-ढाई वर्ष तक सत्ता संभालने की सहमति बनी थी, पर कांग्रेस नेतृत्व ने इसकी पुष्टि नहीं की।

अब तीन वर्ष बाद नेतृत्व परिवर्तन होना यह बताता है कि वास्तव में दोनों नेताओं में बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनने का समझौता हुआ था और उससे कांग्रेस आलाकमान भी अवगत था। यदि ऐसा था तो फिर छह माह की देरी क्यों हुई? यह प्रश्न कांग्रेस नेतृत्व और विशेष रूप से राहुल गांधी की विफलता को दर्शाता है।

इसलिए और भी, क्योंकि कहा जा रहा है कि नेतृत्व परिवर्तन तब सुनिश्चित हो पाया, जब प्रियंका गांधी ने हस्तक्षेप किया। यदि यह सच है तो यह पुराना सवाल फिर से उठेगा कि आखिर राहुल गांधी समय पर फैसला क्यों नहीं ले पाते? ध्यान रहे कि कांग्रेस अध्यक्ष भले ही मल्लिकार्जुन खरगे हों, लेकिन पार्टी के बड़े फैसले राहुल गांधी ही लेते हैं।

त्यागपत्र देने को तैयार हुए सिद्दरमैया ने यह तो माना कि आलाकमान ने जैसा कहा, वैसा किया, पर वे राज्यसभा आने को तैयार नहीं। एक तरह से उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को यह संदेश दिया कि वे संतुष्ट नहीं हैं और अपने हिसाब से राज्य की ही राजनीति करेंगे। हालांकि उनके त्यागपत्र देने पर शिवकुमार ने पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया, लेकिन यह कहना बहुत कठिन है कि दोनों के रिश्ते सामान्य बने रहेंगे और कर्नाटक कांग्रेस में गुटबाजी को बढ़ावा नहीं मिलेगा। इसकी अनदेखी न की जाए कि इसके पहले बारी-बारी से नेतृत्व करने को लेकर राजस्थान और छत्तीसगढ़ में इसी तरह की खींचतान हुई थी। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच ढाई-ढाई साल तक सत्ता संभालने को लेकर तनातनी जारी रही तो छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव के बीच। कांग्रेस नेतृत्व न तो इन दोनों राज्यों में अपने नेताओं के झगड़े को सुलझा पाया और न ही यह साफ कर पाया कि उनमें ढाई-ढाई साल तक मुख्यमंत्री रहने का समझौता हुआ था या नहीं? पंजाब में उसने नवजोत सिंह सिद्धू को संतुष्ट करने के लिए मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को पद छोड़ने के लिए बाध्य किया तो इसके नतीजे में वहां ऐसी गुटबाजी पनपी कि पार्टी को बुरी पराजय का सामना करना पड़ा।

सवालों से बचती सत्ता और घुटनों पर बैठा मीडिया

दिलीप कुमार पाठक

(30 मई हिन्दी पत्रकारिता दिवस)

30 मई को भारत में हर साल हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमारे देश में हिंदी भाषा में पहला अखबार शुरू होने की याद में मनाया जाता है। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने साल 1826 में इसे कोलकाता से शुरू किया था। उस दौर में पत्रकारिता का एक ही मकसद था, देश को आजाद कराना और समाज को जगाना। लेकिन आज जब हम इस दिन को मनाते हैं, तो खुशी से ज्यादा हमारे मन में एक चिंता होती है। आज की पत्रकारिता उस ऊंचे रास्ते से बहुत दूर आ चुकी है। आज हमारा मीडिया और पत्रकारिता का स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। पत्रकारिता को कभी लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता था, जिसका काम जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचाना और सरकार की कमियों को सामने लाना था। लेकिन आज ऐसा लगता है कि यह स्तंभ कमजोर हो चुका है। अखबारों और टीवी चैनलों पर अब जनता के असली मुद्दे, जैसे गरीबी, बेरोजगारी, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य गायब हो चुके हैं। इसकी जगह दिन-रात धर्म के नाम पर विवाद, राजनीतिक दलों की आपसी लड़ाई और गैर-जरूरी सनसनीखेज खबरें दिखाई जाती हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपनी तरफ खींचने की इस अंधी दौड़ ने खबरों को सिर्फ एक तमाशा बना दिया है। भारतीय पत्रकारिता की यह गिरती हुई साख अब सिर्फ देश के भीतर ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में धूमिल हो रही है। दुनिया भर में प्रेस की आजादी को नापने वाली सूची में भारत लगातार नीचे गिरकर 157वें स्थान पर पहुंच गया है। यह इस बात का साफ सबूत है कि हमारे देश में निष्पक्ष पत्रकारों के लिए काम करना कितना मुश्किल हो गया है। सरकार की कमियों पर सवाल उठाने वाले पत्रकारों को डराया-धमकाया जाता है, उन पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं या उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाता है।

हाल ही में नॉर्वे दौरे पर हुई एक घटना ने वैश्विक स्तर पर भारतीय मीडिया की इस स्थिति को पूरी दुनिया के सामने ला दिया। ओस्लो में एक साझा प्रेस वार्ता के बाद, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोडियम से हटने लगे, तो नॉर्वे की एक महिला पत्रकार हेला लेंग ने उनसे एक सीधा और सरल सवाल पूछा कि, पीएम मोदी आप दुनिया की सबसे आजाद प्रेस के पत्रकारों के सवालों के जवाब क्यों नहीं देते? प्रधानमंत्री इस सवाल का बिना कोई जवाब दिए वहां से आगे बढ़ गए, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पूरी दुनिया में फैल गया और इसने वैश्विक मंच पर भारतीय लोकतंत्र की छवि को बड़ा नुकसान पहुंचा।

यह घटना एक और बड़े कड़वे सच को सामने लाती है। पिछले 12 सालों के अपने कार्यकाल में पीएम मोदी ने भारत में एक भी पारंपरिक और स्वतंत्र प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की, जब देश का मुखिया ही खुलकर पत्रकारों के तीखे और सीधे सवालों का सामना करने से बचता है, तो नीचे की पूरी व्यवस्था में जवाबदेही खत्म होने लगती है। जब सत्ता मीडिया के सामने जवाबदेह नहीं होगी, तो मीडिया भी धीरे-धीरे जनता के मुद्दे छोड़ सिर्फ सत्ता की तारीफ करने का जरिया बन जाता है।आज सोशल मीडिया और इंटरनेट के आने से आम लोगों को अपनी बात रखने का मौका तो मिला है, लेकिन वहां भी झूठी खबरें और नफरत का बाजार गर्म है। चंद रुपयों के लिए इंटरनेट पर झूठ फैलाया जाता है, जिससे समाज में आपसी भाईचारा खत्म होता है। असली और गंभीर पत्रकारिता इस शोर में कहीं दबकर रह गई है। पत्रकारिता का जो काम समाज को जोड़ने का था, वह आज समाज को बांटने का जरिया बनता जा रहा है। इस गिरते दौर में हिंदी पत्रकारिता दिवस सिर्फ एक त्योहार की तरह मनाकर भूल जाने का दिन नहीं है। यह दिन गहराई से सोचने का है। आज मीडिया मालिकों, संपादकों और खुद पत्रकारों को यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे सिर्फ नेताओं और सरकारों की हां में हां मिलाना चाहते हैं या फिर से जनता की आवाज बनना चाहते हैं? एक नागरिक के तौर पर हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम अंधभक्ति और नफरत परोसने वाले चैनलों को देखना बंद करें। हमें उन गिने-चुने स्वतंत्र पत्रकारों का साथ देना चाहिए जो खुद को जोखिम में डालकर आज भी सच लिख रहे हैं।

कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा

'खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।' अकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

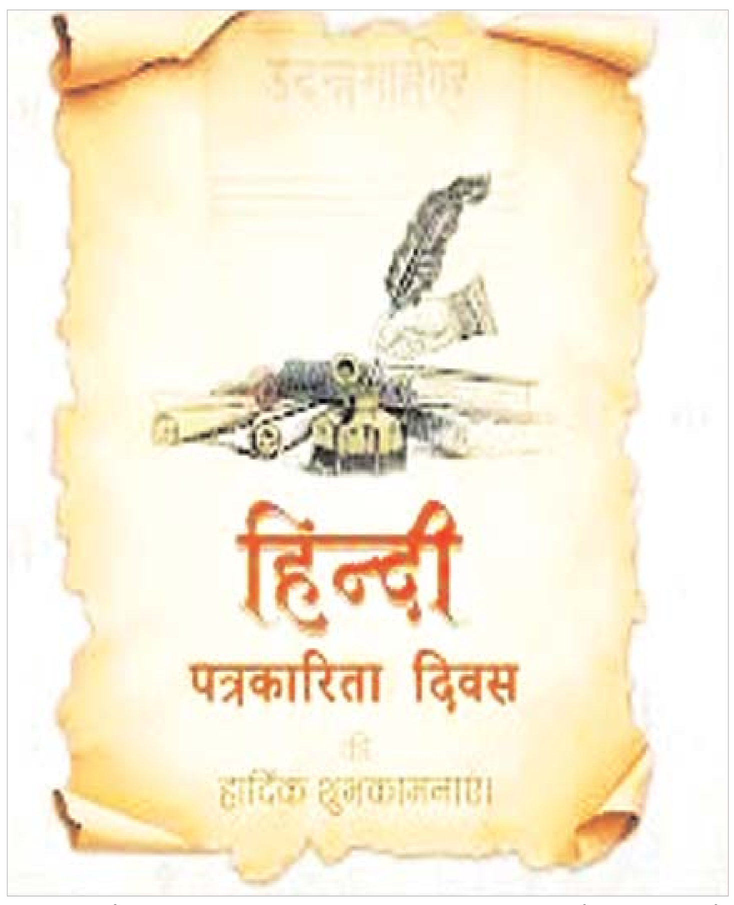

हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे,समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया।

हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। 'बनारस अखबार ', 'हिन्दी प्रदीप ', 'कवि वचन सुधा ', 'भारत मित्र ', 'सरस्वती' और 'प्रताप' जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का 'प्रताप' केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं।

'सत्य लिखना यदि अपराध है,
तो यह अपराध बार-बार होगा। '

यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों तक पहुंचा और हिन्दी भाषा देश की सबसे प्रभावशाली मीडिया भाषा बनकर उभरी।हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भाषा और जनसरोकार रहे हैं।हिन्दी ने उन लोगों की आवाज को शब्द दिए, जिनकी पीड़ा अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती थी। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता जनमानस से जुड़ी पत्रकारिता बनी।

समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला। प्रिंट मीडिया से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया के युग में सूचना की गति अभूतपूर्व हो गई है।आज मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल न्यूज़ पोर्टल,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों ने समाचारों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब समाचार केवल अखबार के पन्नों तक सीमित नहीं,बल्कि कुछ सेकेंड में देश-दुनिया तक पहुंच जाते हैं।करोड़ों लोग मोबाइल स्क्रीन पर हिन्दी समाचार पढ़ते, सुनते और देखते हैं।आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र बन रहा है और हिन्दी दुनिया की तेजी से बढ़ती भाषाओं में शामिल है।छोटे शहरों और गाँवों से निकल रहे युवा डिजिटल पत्रकारिता में नई पहचान बना रहे हैं। इंटरनेट और तकनीक ने पत्रकारिता को महानगरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गांवों तक पहुँचा दिया है।डिजिटल क्रांति के इस दौर में पत्रकारिता के सामने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं।

आज पत्रकारिता का सबसे बड़ा संकट 'विश्वसनीयता' का है।फेक न्यूज़,आधी-अधूरी सूचनाएं, टीआरपी की अंधी दौड़,सनसनी खेज प्रस्तुति और एजेंडा आधारित खबरों ने पत्रकारिता की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।कभी मिशन मानी जाने वाली पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा आज बाजारवाद और कॉरपोरेट दबावों के बीच संघर्ष करता दिखाई देता है। 'पहले खबरों में तथ्य होते थे,अब तथ्यों में खबर खोजी जाती है। 'यह कटु सत्य वर्तमान मीडिया परिवेश की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।डिजिटल युग में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि तेज़ी की प्रतिस्पर्धा में सत्य पीछे छूटता जा रहा है। 'सबसे पहले' दिखाने की होड़ में 'सबसे सही' दिखाने का दायित्व कमजोर पड़ रहा है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच तो दिया है, लेकिन बिना पुष्टि की सूचनाओं ने समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण भी पैदा किया है।

पत्रकारिता यदि केवल शोर बनकर रह जाएगी,तो समाज का विश्वास टूटेगा।लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका प्रहरी की होती है,प्रचारक की नहीं।पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं,बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है।

इन चुनौतियों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल दिखाई देता है। भविष्य मे आने वाला समय 'भाषाई पत्रकारिता' का होगा। भारत की आत्मा भारतीय भाषाओं में बसती है और हिन्दी पत्रकारिता उसी आत्मा की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI),डेटा पत्रकारिता और तकनीकी नवाचार समाचारों की प्रस्तुति को बदलेंगे, लेकिन पत्रकारिता की वास्तविक आत्मा वही रहेगी।पत्रकारिता का भविष्य तकनीक से नहीं,उसकी नीयत से तय होगा। मशीनें खबर लिख सकती हैं, लेकिन समाज की पीड़ा को महसूस करने का सामर्थ्य केवल संवेदन शील पत्रकार के पास होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता पुनः अपने मूल आदर्शों- सत्य,निष्पक्षता,जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व - को याद करे। 'कलम बिकनी नहीं चाहिए,सत्य झुकना नहीं चाहिए। ' 'निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है। 'हिन्दी पत्रकारिता की लगभग दो शताब्दियों की यह यात्रा केवल इतिहास नहीं,बल्कि भारत की सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है।यह यात्रा संघर्ष की भी है,साहस की भी है और जनविश्वास की भी है।आज आवश्यकता ऐसे पत्रकारों की है जो सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस रखें,समाज की आवाज बनें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें।लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति संसद से पहले समाज की जागरूक चेतना में बसती है और उस चेतना को जगाने का कार्य पत्रकारिता ही करती है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि कलम की ताकत किसी भी सत्ता से बड़ी होती है।यही वह शक्ति है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया,लोकतंत्र को मजबूत किया और समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को मंच प्रदान किया।

आज हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर उन सभी पत्रकारों,संपादकों, लेखकों,फोटोग्राफरों,कैमरामैनों और समाचार कर्मियों को विनम्र नमन,जिन्होंने अपनी लेखनी और कर्म से समाज को जागृत किया, लोकतंत्र को सशक्त बनाया और राष्ट्र की चेतना को जीवित रखा।

'स्याही से लिखी गई सच्चाई,
इतिहास बदलने की ताकत रखती है।

'हिन्दी पत्रकारिता केवल भाषा की पत्रकारिता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है।

(नोट - लेखक स्वतंत्र पत्रकार ,स्तम्भकार व मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति के उपाध्यक्ष है।)

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है पत्रकारिता

पत्रकारिता समाचारों, विचारों और घटनाओं को एकत्र करके उन्हें जनता तक पहुँचाने का माध्यम है, यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जिसका उद्देश्य समाज को जागरूक, निष्पक्ष और सूचित रखना है इंसानी इतिहास में, पत्रकारिता ने अपनी अहम जगह और ऊँचे आदर्शों पर पक्के भरोसे के ज़रिए हमेशा अपनी अलग पहचान बनाई है। भारत में, पत्रकारिता का इतिहास लगभग दो सौ साल पुराना है।

संजय गोस्वामी

(हिन्दी पत्रकारिता दिवस 30 मई26 पर विशेष)

आज, पत्रकारिता शब्द हमारे लिए कोई नया कॉन्सेप्ट नहीं है। सुबह होते ही हमें अखबार की ज़रूरत महसूस होती है; इसके बाद, पूरे दिन हमें रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट और सोशल मीडिया जैसे अलग-अलग तरीकों से खबरें मिलती रहती हैं। इसके अलावा, रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया सुबह से शाम तक हमारे साथ रहते हैं। इस लगातार जुड़ाव के पीछे एक खास इच्छा है—एक जिज्ञासा—नई और ताज़ा जानकारी पाने की। लोग पिछले कुछ घंटों में या पिछली रात से हुए बदलावों या सामने आई नई घटनाओं के बारे में जानकारी रखना चाहते हैं। इस बात का निचोड़ यह है कि हम अपने दोस्तों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और साथ काम करने वालों से अपने आस-पास हो रही घटनाओं के बारे में लगातार जानना चाहते हैं। अपने आस-पास की चीज़ों, घटनाओं और लोगों के बारे में अप-टू-डेट जानकारी पाना इंसान की एक जन्मजात आदत है; जिज्ञासा की भावना हमारे अंदर एक बहुत बड़ी ताकत है। यही जिज्ञासा न्यूज़ का बुनियादी हिस्सा है—और, बड़े पैमाने पर कहें तो, खुद पत्रकारिता का भी। अगर यह जिज्ञासा खत्म हो जाए, तो न्यूज़ की ज़रूरत भी खत्म हो जाएगी। पत्रकारिता इसी अंदरूनी जिज्ञासा को पूरा करने की कोशिश के तौर पर शुरू हुआ—यह एक ऐसा मिशन है जिसे यह आज भी पूरा कर रहा है, और अपने बुनियादी उसूलों पर मज़बूती से टिका हुआ है। इस जिज्ञासा के ज़रिए, हमें अपने आस-पड़ोस, शहर, राज्य और पूरी दुनिया के बारे में बहुत सारी जानकारी मिलती है। यह जानकारी न सिर्फ़ हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर बल्कि पूरे समाज पर असर डालती है। इसके अलावा, यह जानकारी हमारे अगले कदम को तय करने में हमारी मदद करने में भी अहम भूमिका निभाती है। यही वजह है कि आज के समाज में इन्फॉर्मेशन और कम्युनिकेशन मीडिया का महत्व तेज़ी से बढ़ा है। आज, हम देश और दुनिया भर में हो रही घटनाओं के बारे में ज़्यादातर जानकारी अलग-अलग न्यूज़ मीडिया आउटलेट से लेते हैं। इन अलग-अलग चैनलों के ज़रिए—चाहे वह अखबार हों, टेलीविज़न, रेडियो, इंटरनेट, या सोशल मीडिया—दुनिया भर की खबरें सीधे हमारे घरों तक पहुँचती हैं। न्यूज़ ऑर्गनाइज़ेशन में काम करने वाले जर्नलिस्ट लोकल और ग्लोबल लेवल पर होने वाली घटनाओं को न्यूज़ रिपोर्ट में बदलते हैं और हम तक पहुँचाते हैं। ऐसा करने के लिए, वे रोज़ाना जानकारी इकट्ठा करते हैं, उसे न्यूज़ फ़ॉर्मेट में ढालते हैं और लोगों के सामने पेश करते हैं। इस पूरे प्रोसेस को पत्रकारिता कहते हैं। कोई भी जानकारी जो किसी व्यक्ति, समाज, देश या पूरी दुनिया पर असर डालती है, वह न्यूज़ होती है। दूसरे शब्दों में, किसी खास घटना पर रिपोर्ट, डेफिनिशन के हिसाब से, न्यूज़ है। या, जैसा कि अक्सर कहा जाता है, न्यूज़ जल्दबाज़ी में लिखा गया इतिहास है। हिंदी शब्द *पत्रकारिता* इंग्लिश शब्द पत्रकारिता का सीधा ट्रांसलेशन है। मतलब के नज़रिए से, पत्रकारिता शब्द जर्नल से बना है, जिसका मतलब है रोज़ का रिकॉर्ड, डायरी, या डेबुक—असल में, रोज़ाना की एक्टिविटीज़ का डिटेल्ड अकाउंट वाला डॉक्यूमेंट। सिर्फ़ एंटरटेनमेंट के अलावा, ये मीडिया हमें बहुत सारी जानकारी से जान-पहचान कराते हैं। इसके अलावा, एडवरटाइज़िंग ने हमें कंज्यूमर कल्चर में अच्छे से जोड़ दिया है। कुल मिलाकर, पत्रकारिता के अलग-अलग मीडियम—जैसे अखबार, मैगज़ीन, रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट और सोशल मीडिया—ने लोगों से लेकर ग्रुप तक और देशों से लेकर पूरी दुनिया तक, सबको एक साथ जोड़ दिया है। इसलिए, आज पत्रकारिता में नेशनल लेवल पर आइडिया, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिक्स और यहाँ तक कि कल्चर को भी प्रभावित करने की काबिलियत है। अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी के बारे में सोचने के लिए थोड़ा समय निकालें। एक ही मोहल्ले में रहने वाले दो लोग रोज़ एक-दूसरे से मिल सकते हैं—शायद बाज़ार में, सड़क पर चलते हुए, या एक-दूसरे के घर पर। जब वे बातचीत करते हैं, तो आमतौर पर उनका पहला सवाल क्या होता है? उनका पहला सवाल हमेशा यही होता है: हालात कैसे हैं? या आप कैसे हैं? या क्या खबर है? हालाँकि ऐसे आम, रोज़मर्रा के सवालों में कुछ खास खास नहीं लग सकता है, लेकिन एक पल सोचने पर एक गहरा मतलब पता चलता है: आज, जर्नल शब्द मैगज़ीन, अखबार और डेली डेलीज़ के लिए एक निशानी के तौर पर इस्तेमाल होने लगा है। 'पत्रकारिता'—यानी, *पत्रकारिता*—अखबारों और मैगज़ीन से जुड़े एक प्रोफ़ेशन को दिखाता है, जिसमें न्यूज़ इकट्ठा करना, लिखना, एडिट करना, दिखाना और बांटना शामिल है। आज के ज़माने में, पत्रकारिता कई मीडियम जैसे अखबार, मैगज़ीन, रेडियो, टेलीविज़न, वेब पत्रकारिता, सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल करने के लिए विकसित हुई है। हिंदी में पत्रकारिता का मतलब असल में यही है। इस कॉन्सेप्ट को *'पत्र'* (लेटर/पेपर) से *'पत्रकार'* (पत्रकार), और आखिर में *'पत्रकारिता'* (पत्रकारिता) तक के विकास को देखकर समझा जा सकता है। *बृहत् हिंदी शब्दकोष* (कॉम्प्रिहेंसिव हिंदी) के अनुसार (हिंदी शब्दकोश), *'पत्र'* का अर्थ है कोई चिट्ठी या कागज़ का पन्ना—विशेष रूप से, ऐसा कागज़ जिस पर कुछ लिखा या छापा गया हो; कोई कागज़ या धातु की प्लेट जिस पर किसी लेन-देन से जुड़ा कोई प्रामाणिक लेख (जैसे कि दान-पत्र या ताम्र-पत्र अनुदान) अंकित हो; कोई दस्तावेज़ी रिकॉर्ड जो किसी लेन-देन या घटना के प्रमाण के रूप में काम करे (जैसे कि पट्टा या कानूनी विलेख); या, अंत में, कोई वाहन, सवारी, या समाचार-पत्र। *'पत्रकार'* का तात्पर्य किसी समाचार-पत्र के संपादक या लेखक से है। और *'पत्रकारिता'* का अर्थ है किसी पत्रकार का काम या पेशा—वह विषय-क्षेत्र जो समाचारों के विश्लेषण, संपादन और संकलन से संबंधित है। *'बृहत् शब्दकोश'* यह स्पष्ट करता है कि *'पत्र'* का तात्पर्य किसी भी ऐसे कागज़ या माध्यम से है—चाहे वह लिखित हो या मुद्रित—जो प्रामाणिक हो और किसी विशिष्ट घटना के संबंध में दस्तावेज़ी प्रमाण के रूप में कार्य करता हो। 'पत्रकार' उस व्यक्ति को कहते हैं जो ऐसे कागज़ या दस्तावेज़ को लिखता या संपादित करता है। और *'पत्रकारिता'* उस अकादमिक विषय-क्षेत्र को कहते हैं जो इस क्षेत्र के अध्ययन और विश्लेषण के लिए समर्पित है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि, इन सभी पारंपरिक माध्यमों में, संदेशों या सूचनाओं का प्रसार ऐतिहासिक रूप से एक-तरफ़ा प्रक्रिया रही है। इस सूचना को प्राप्त करने वालों से मिलने वाली प्रतिक्रिया (फीडबैक) लगभग न के बराबर रही है। दूसरे शब्दों में, इन विभिन्न माध्यमों में, संचारक या प्रसारक आम तौर पर सूचना प्राप्त करने वालों के साथ दो-तरफ़ा संवाद स्थापित करने में असमर्थ रहे हैं। संवाद का स्तर—पत्रों और इसी तरह के अन्य माध्यमों से प्राप्तकर्ताओं से मिलने वाली प्रतिक्रिया या जवाबों के रूप में—नगण्य रहा है। हालाँकि, हाल के वर्षों में, अत्याधुनिक जनसंचार तकनीकों के आगमन के साथ, दो-तरफ़ा संवाद बनाए रखने की प्रथा ने जड़ पकड़ना शुरू कर दिया है।

सेठानी घाट पर दो दिवसीय आम महोत्सव : 40 से अधिक किस्मों के आम होंगे आकर्षण का केंद्र

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। इस बार पचमढ़ी के बजाय जिला मुख्यालय नर्मदापुरम स्थित प्रसिद्ध सेठानी घाट पर दो दिवसीय आम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा 30 और 31 मई को आयोजित होने वाले इस मैंगो फेस्टिवल में 40 से अधिक किस्मों के आमों की लगभग 150 स्टॉलों में प्रदर्शनी लगाई जाएगी इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य किसानों और आम प्रेमियों को आम की विभिन्न प्रजातियों, उनकी पैदावार विधियों और आम के पौधरोपण के महत्व से अवगत कराना है। 30 मई को महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में जिले के प्रशासनिक अधिकारी, उद्यानिकी विभाग के प्रतिनिधि, किसान और आम प्रेमी शामिल होंगे। महोत्सव के दौरान किसानों को आम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों, उन्नत प्रजातियों और बेहतर पैदावार के तरीकों की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा आम के पौधों को लगाने और उनके सही तरीके से पालन-पोषण के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा महोत्सव में आमों के विभिन्न रंग, रूप और आकार के प्रदर्शन से आम प्रेमियों को विशेष आनंद मिलेगा। प्रत्येक स्टॉल में आम की अलग-अलग किस्में और उनके विशेष गुण प्रदर्शित किए जाएंगे। उद्यानिकी विभाग की उप संचालक रीता उईके ने बताया कि इस फेस्टिवल में रायल मिश्री, सुन्दरजा, मालदा, फजली, चौसा, स्वर्णरेखा, जरदालू, मल्लिका, पगारा से पयारी, सावनिया, बाम्बेग्रीन, कृष्ण भोग, मालगोवा, नीलम, दशहरी, बादाम, लंगड़ा सहित कई अन्य किस्मों के आमों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी विशेष रूप से पचमढ़ी, मटकुली और माखननगर क्षेत्र के प्रसिद्ध बाम्बेग्रीन मालदा और मल्लिका आम अपने बड़े आकार, उत्कृष्ट स्वाद और सुगंध के कारण महोत्सव में आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। फेस्टिवल का उद्देश्य न केवल आम की लोकप्रियता को बढ़ावा देना है बल्कि आम बागवानी और फल उत्पादन को प्रोत्साहित करना भी है महोत्सव में भाग लेने वाले किसानों और आम प्रेमियों को आमों की खेती पैदावार और बिक्री से जुड़ी तकनीकी जानकारियां भी दी जाएंगी। इसके अलावा प्रदर्शनी में आमों की तुलना उनके वजन, रंग और आकार के आधार पर की जाएगी, जिससे आगंतुकों को आमों की विविधता का अनुभव हो आयोजन समिति का कहना है कि आम महोत्सव न सिर्फ आम के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाएगा बल्कि स्थानीय बागवानों को बेहतर उत्पादन और आर्थिक लाभ प्राप्त करने में भी मदद करेगा सेठानी घाट पर आयोजित यह महोत्सव जिले के लिए पर्यटन और कृषि शिक्षा का भी अवसर प्रदान करेगा इस प्रकार, आम महोत्सव 30 और 31 मई को अपने रंग-बिरंगे स्टॉल और आकर्षक आमों के साथ आम प्रेमियों किसानों और पर्यटकों के लिए यादगार कार्यक्रम साबित होगा।

महिला को लाठी मारने वाले महिला से मारपीट का वीडियो सामने आने पर कार्रवाई 4 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शिवपुरी शहर के देहात थाना क्षेत्र के लुधावली इलाके में महिला आरती प्रजापति पर लाठी से हमला और मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका जुलूस भी निकालाद्व गिरफ्तार आरोपियों में जीतू पाल उसकी पत्नी ज्योति बाल्मीक सूरज बाल्मीक और तुलसी आदिवासी शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद देहात थाना पुलिस आरोपियों को घटनास्थल पर लेकर पहुंची जहां उनका जुलूस निकाला गया। इस दौरान आरोपी कान पकड़कर अपराध करना पाप है पुलिस हमारी बाप है कहते नजर आए यह वारदात 26 मई की रात को हुई थी जानकारी के अनुसार लुधावली क्षेत्र में आरती प्रजापति और उसकी पड़ोसी ज्योति बाल्मीक के बीच विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर ज्योति बाल्मीक सहित चार से पांच लोगों ने आरती पर लाठियों से हमला कर दिया घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है जिसमें महिला के साथ मारपीट होती दिखाई दे रही है घायल आरती को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था घायल महिला की शिकायत पर देहात थाना पुलिस ने ज्योति बाल्मीक जीतू पाल और अन्य आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी देहात थाना प्रभारी विकास यादव ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और पीड़िता के बयान के आधार पर कार्रवाई की गई है पुलिस जांच के दौरान आरती के पति नंदू राठौर का नाम भी सामने आया है जिसे मामले में आरोपी बनाया गया है और उसकी तलाश जारी है।

आईटीआई चिरमिरी में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण, नया रायपुर अटल नगर (छ.ग.) के अंतर्गत संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) चिरमिरी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 एवं 2026-28 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। यह प्रक्रिया 29 मई 2026 से शुरू होकर 15 जून 2026 की रात 11:59 बजे तक चलेगी। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा के भीतर ही आवेदन कर सकते हैं आईटीआई चिरमिरी में व्यवसाय मैकेनिक डीजल, वेल्डर, विद्युतकार, कोपा और फिटर में प्रवेश के लिए आवेदन केवल आधिकारिक वेबसाइट httpsÑ//cgiti.admissions.nic.in/ के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। किसी भी अन्य माध्यम से किए गए आवेदन अस्वीकार किए जाएंगे संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.) ने यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रखने का निर्णय लिया है ताकि आवेदन में पारदर्शिता और आसानी सुनिश्चित हो सके सभी अभ्यर्थियों से आग्रह है कि आवेदन करने से पहले प्रवेश विवरणिका को ध्यानपूर्वक पढ़ें। विवरणिका में प्रवेश से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश, नियम, पात्रता मापदंड और शुल्क विवरण सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है किसी भी गलती से बचने के लिए आवेदन भरने से पहले सभी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है आवेदन में सहायता या प्रवेश संबंधी किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थी अपने नजदीकी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था से संपर्क कर सकते हैं अधिकारी और संस्थान के कर्मचारी आवेदन प्रक्रिया में मार्गदर्शन उपलब्ध कराएंगे संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए समय सीमा के बाद किसी भी आवेदन को स्वीकार नहीं किया जाएगा आईटीआई चिरमिरी में प्रवेश के लिए यह अवसर उन सभी युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है जो तकनीकी शिक्षा में रुचि रखते हैं और अपने कौशल को विकसित कर रोजगार योग्य बनाना चाहते हैं।

पुलिस मुख्यालय परिवार ने 4 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई, डीजीपी ने किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर,भोपाल (निप्र)। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से मई माह में सेवानिवृत्त हुए चार कर्मचारियों को शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने भावभीनी विदाई दी इस अवसर पर उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पौधे एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। साथ ही उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गए। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस मुख्यालय से निरंतर अनुभवी एवं समर्पित अधिकारी-कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं जिनके साथ कार्य करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में कार्य केवल नौकरी नहीं बल्कि एक चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है, जिसमें देर रात और अवकाश के दिनों में भी कर्तव्यों का निर्वहन करना पड़ता है उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को भी इसी ऊर्जा अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा ताकि विभाग की गौरवशाली परंपरा बनी रहे नवीन पुलिस मुख्यालय भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए. साईं मनोहर उप पुलिस महानिरीक्षक किरणलता केरकट्टा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित रहे।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार :कोतवाली पुलिस ने 6 लाख का माल और स्विफ्ट कार किया जब्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोतवाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 33.87 ग्राम स्मैक और एक स्विफ्ट कार जब्त की है। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 14 लाख रुपए आंकी गई है कोतवाली थाना प्रभारी रोहित दुबे ने बताया कि पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर जिलेभर में नशे के कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की पुलिस को सूचना मिली थी कि मेडिकल कॉलेज शिवपुरी के सामने कच्चे रास्ते पर एक युवक स्मैक बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां एक व्यक्ति बिना नंबर की स्विफ्ट कार के पास खड़ा मिला। पुलिस को देखकर वह भागने लगा लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम हफीज पुत्र रफीक मोहम्मद (38 वर्ष) निवासी हिम्मतगढ़, थाना पनिहार, जिला ग्वालियर बताया। वर्तमान में वह गोल पहाड़िया ग्वालियर में रहता है। तलाशी लेने पर उसके पास से 33.87 ग्राम स्मैक बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 6 लाख रुपए है पुलिस ने आरोपी से स्मैक और स्विफ्ट कार जब्त कर कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 417/26 के तहत धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया पुलिस के अनुसार आरोपी हफीज पहले भी स्मैक तस्करी के मामलों में गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है। उसके खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी है। साथ ही ग्वालियर जिले के पनिहार थाने में उसके खिलाफ मारपीट का एक मामला भी दर्ज है कोतवाली पुलिस अब आरोपी से स्मैक के सप्लायर और उसके नेटवर्क के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

खत्म हुई दूध विक्रेताओं की हड़ताल, अब 60 रुपए लीटर मिलेगा दूध; चार दिन बाद सामान्य होगी सप्लाई

मीडिया ऑडीटर,शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर में पिछले चार दिनों से जारी दूध विक्रेताओं की हड़ताल शुक्रवार को समाप्त हो गई इसके साथ ही शनिवार से शहरवासियों को दूध 60 रुपए प्रति लीटर की दर से मिलेगा इससे पहले दूध 55 रुपए प्रति लीटर बेचा जा रहा था दूध विक्रेता पिछले कई दिनों से दूध के दाम में 5 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर उन्होंने हड़ताल शुरू कर दी थी। हड़ताल के चलते शहर में दूध की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हो गई थी दूध की किल्लत के कारण बड़ी संख्या में लोग अमूल और सांची जैसे पैकेटबंद दूध पर निर्भर हो गए थे। हालांकि सीमित उपलब्धता के कारण लोगों को वहां भी परेशानी का सामना करना पड़ा। डेयरी संचालकों ने बताई लागत बढ़ने की वजह डेयरी संचालकों का कहना है कि गर्मी के मौसम में पशुओं के चारे और रखरखाव का खर्च बढ़ जाता है इसी वजह से दूध के दाम बढ़ाए गए हैं उन्होंने बताया कि नई दरें 1 जून से 15 जुलाई तक लागू रहेंगी डेयरी संचालकों के मुताबिक वर्षाकाल में हरे चारे की उपलब्धता बढ़ने के बाद दूध की कीमतों की समीक्षा की जा सकती है। ऐसे में 15 जुलाई के बाद दाम घटाने पर भी विचार संभव है वहीं दूध विक्रेताओं का कहना है कि लगातार बढ़ती लागत के चलते भविष्य में दूध के दाम कम होने की संभावना बेहद कम है हड़ताल खत्म होने के बाद अब शहर में दूध संकट समाप्त हो गया है शनिवार से दूध की आपूर्ति फिर सामान्य रूप से शुरू हो जाएगी।

नर्मदा किनारे तान दी 2 मंजिला अवैध बिल्डिंग : कलेक्टर के आने से चंद घंटे पहले जागा प्रशासन, पहली मंजिल तोड़ने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के विवेकानंद घाट पर नर्मदा नदी के बिल्कुल किनारे महज दो महीने के भीतर एक दो मंजिला बिल्डिंग खड़ी कर दी गई हैरानी की बात यह है कि राजस्व और नगर पालिका के जिम्मेदारों आरआई और अतिक्रमण दल को इसकी भनक तक नहीं लगी स्थानीय लोगों की आपत्ति के बाद प्रशासन आनन-फानन में हरकत में आया गुरुवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निरीक्षण से महज कुछ घंटे पहले ही अतिरिक्त तहसीलदार ने यहां हाथ से लिखा नोटिस चस्पा कर दिया शाम को मुआयना करने पहुंचे कलेक्टर ने सिटी मजिस्ट्रेट और सीएमओ को बिल्डिंग की पहली मंजिल तोड़ने के निर्देश दिए हैं परिक्रमावासियों के ठहरने के लिए बन रहा था आश्रम यह दो मंजिला बिल्डिंग परिक्रमावासियों के ठहरने के लिए आश्रम के रूप में बनाई जा रही थी इसका निर्माण जनभागीदारी समिति द्वारा आपसी सहयोग से कराया जा रहा था जिसमें शासन का एक भी रुपया नहीं लगा है।समिति के अध्यक्ष उमाशंकर चौबे ने परिक्रमावासियों को व्यवस्थित जगह उपलब्ध कराने के लिए यह डबल मंजिल इमारत बनवाई थी। चूंकि यह निर्माण उस जगह हो रहा था जहां रोजाना हजारों लोगों की आवाजाही होती है इसलिए स्थानीय नागरिकों ने इस पर आपत्ति जता दी अचानक कार्रवाई से कार्यप्रणाली पर उठे सवाल लोगों की शिकायत के बाद स्थानीय अधिकारी एकाएक एक्टिव हो गए। अतिरिक्त तहसीलदार ने नोटिस जारी कर तत्काल काम रुकवा दिया। दो महीने से खुलेआम चल रहे इस निर्माण कार्य को लेकर नगर पालिका और राजस्व अमले की अब तक रही चुप्पी पर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कलेक्टर के दौरे से ठीक पहले हाथ से लिखा नोटिस चस्पा करना भी अधिकारियों की कार्यप्रणाली को संदेह के घेरे में ला रहा है 300 मीटर के दायरे में पक्के निर्माण पर है कोर्ट की रोक नियमों के मुताबिक, नर्मदा नदी से 300 मीटर की परिधि में किसी भी तरह के पक्के निर्माण पर कोर्ट की सख्त रोक है। इसके बावजूद नर्मदापुरम में इस प्रतिबंधित दायरे में कई रसूखदारों ने अपने घर और कमर्शियल बिल्डिंग तान रखी हैं। विवेकानंद घाट के अलावा डीईओ ऑफिस और हनुमान मंदिर के आसपास भी काफी बड़े क्षेत्र में धड़ल्ले से निर्माण कार्य हुए हैं। लोगों ने नदी किनारे शेड लगाकर अपनी हद बढ़ा ली है, लेकिन प्रशासन की तरफ से इन रसूखदारों पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

75 वर्षीय महिला ने बहू पर प्रताड़ना के आरोप लगाए, शिवपुरी एसपी से शिकायत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर में एक 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने अपनी पुत्रवधु और उसके परिजनों पर मानसिक प्रताड़ना, गाली-गलौज तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है पुरानी शिवपुरी स्थित चित्रगुप्त मंदिर के पास रहने वाली मुख्त्यार बेगम ने शुक्रवार को इस संबंध में पुलिस अधीक्षक (एसपी) शिवपुरी को आवेदन दिया है और कार्रवाई की मांग की है मुख्त्यार बेगम के अनुसार, उनकी पुत्रवधु शम्मो आए दिन उनके साथ अभद्र व्यवहार करती हैं और अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर उन्हें मानसिक रूप से परेशान करती हैं महिला का आरोप है कि विरोध करने पर उन्हें झूठे पुलिस और कोर्ट में फंसाने की धमकियां दी जाती हैं बहू के रिश्तेदार भी परेशान करते हैं बुजुर्ग महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि पुत्रवधु के भाई और अन्य परिजन उनके घर आकर विवाद करते हैं, अपशब्द बोलते हैं और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां देते हैं। उन्होंने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है मुख्त्यार बेगम ने पुत्रवधु पर यह भी आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने पूर्व वैवाहिक संबंध समाप्त किए बिना ही उनके पुत्र से विवाह किया है उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है मुख्त्यार बेगम का कहना है कि लगातार चल रहे इन विवादों और मानसिक प्रताड़ना के कारण उनका परिवार तनाव में है उन्होंने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा उचित कार्रवाई की अपील की है। पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पहाड़ों के बीच पहुंची विकास की धारा : ढाब में हर घर तक पहुंचा स्वच्छ पानी जहां कभी पानी के लिए था संघर्ष, वहां अब जल जीवन मिशन बना उम्मीद की किरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। दुर्गम पहाड़ियों, कच्चे रास्तों और सीमित संसाधनों के बीच बसे ग्राम पंचायत खोहरा के आश्रित ग्राम ढाब में आज विकास की नई धारा बह रही है। कभी पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझने वाला यह गांव अब जल जीवन मिशन के माध्यम से आत्मनिर्भर और जागरूक ग्राम के रूप में पहचान बना रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित इस महत्वाकांक्षी योजना ने ढाब के ग्रामीणों के जीवन में ऐसा बदलाव लाया है, जिसने गांव की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी हैं पहले इस गांव के लोगों की दिनचर्या पानी की तलाश से शुरू होती थी। महिलाएं बुजुर्ग और बच्चे कई किलोमीटर दूर नदी कुएं और हैंडपंपों तक पहुंचकर पानी लाने को मजबूर थे पहाड़ी रास्तों से भारी बर्तन उठाकर पानी लाना ग्रामीणों के लिए रोज की कठिन परीक्षा थी गर्मी के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी जब पानी के सीमित स्रोत सूखने लगते थे और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता था लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में विकसित किए गए जल स्रोत, सुदृढ़ पाइपलाइन नेटवर्क और 10 हजार लीटर क्षमता वाली पानी टंकी ने ढाब को नई पहचान दी है मोटर पंप के माध्यम से नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था की गई है जिससे अब गांव के प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल आसानी से पहुंच रहा है जहां पहले पानी लाने में घंटों लग जाते थे वहीं अब घर के पास ही पानी उपलब्ध होने से लोगों का समय और श्रम दोनों बच रहे हैं ग्रामीणों का कहना है कि इस योजना ने सिर्फ पानी की समस्या का समाधान नहीं किया बल्कि गांव के सामाजिक और स्वास्थ्य स्तर में भी बड़ा बदलाव लाया है। महिलाओं को राहत मिली है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होती और बुजुर्गों को कठिन चढ़ाई से मुक्ति मिली है। स्वच्छ पानी मिलने से जलजनित बीमारियों में भी कमी आई है ढाब में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की सक्रिय भूमिका इस बदलाव की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है समिति के सदस्य नियमित रूप से जलापूर्ति व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं और ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक भी कर रहे हैं। गांव में साफ-सफाई जल स्रोतों की सुरक्षा और पानी के सदुपयोग को लेकर अब लोगों में नई सोच विकसित हुई है आज ढाब केवल एक गांव नहीं बल्कि सामुदायिक सहभागिता, जल संरक्षण और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जीवंत मिसाल बन चुका है दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे इस छोटे से गांव ने यह साबित कर दिया है कि यदि इच्छाशक्ति और जनभागीदारी हो, तो विकास की धारा सबसे कठिन रास्तों तक भी पहुंच सकती है।

सुनारी सरपंच के जाति प्रमाण पत्र फर्जी होने का आरोप कलेक्टर से शिकायत कर जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नरवर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सुनारी की महिला सरपंच रामश्री मांझी पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर आदिवासी आरक्षित सीट से चुनाव लड़ने का आरोप लगा है। ग्राम सुनारी निवासी निवास रावत ने शुक्रवार को कलेक्टर से इस मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की श्रीनिवास रावत ने आरोप लगाया है कि सरपंच रामश्री मांझी की वास्तविक जाति केवट है, जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आती है। शिकायतकर्ता का दावा है कि उन्होंने अपने पति के नाम में बदलाव कर मांझी जाति दर्शाते हुए जाति प्रमाण पत्र बनवाया इसी प्रमाण पत्र के आधार पर उन्होंने वर्ष 2022 के पंचायत चुनाव में आदिवासी आरक्षित सीट से चुनाव लड़ा शिकायत में उल्लेख किया गया है कि संबंधित का जाति प्रमाण पत्र 15 जनवरी 2013 को ग्वालियर जिले की राजा की मंडी तहसील से जारी बताया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह जाति प्रमाण पत्र नियमों के विपरीत पिता के बजाय पति के नाम के आधार पर बनाया गया है।

ओंकारेश्वर में आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई,13 बसों से वसूला 44,500 रुपए जुर्माना, 4 ऑटो रिक्शा जब्त

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में यात्रियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए आरटीओ व ट्रैफिक पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाली 13 यात्री बसों पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 44 हजार 500 रुपए का शमन शुल्क (जुर्माना) वसूला गया। वहीं, बिना जरूरी दस्तावेजों के नियम विरुद्ध संचालित 4 ऑटो रिक्शा को जब्त कर मांधाता थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया है। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी दीपक मांझी ने बताया कि अभियान के तहत कुल 52 यात्री बसों की जांच की गई। इस दौरान वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा और प्रदूषण प्रमाण पत्र (पीयूसी) की बारीकी से पड़ताल हुई, जिनमें अनियमितताएं मिलने पर चालान बनाए गए। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित सफर मुहैया कराने और सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम कसने के लिए भविष्य में भी यह सघन जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

रायसेन में 44 से सीधे 38 डिग्री पर पहुंचा पारा, बादल छाने से नौतपा पड़ा ठंडा, तेज हवाओं से बदला मौसम

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में नौतपा के पांचवें दिन शुक्रवार को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और तेज हवाएं चलती रहीं। इस बदलाव से लोगों को तेज गर्मी से राहत मिली। पिछले चार दिनों से लगातार बढ़ रहा तापमान शुक्रवार दोपहर तक करीब 6 डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया। बीते चार दिनों में रायसेन का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज हवाओं और बादलों के कारण आमजन ने राहत की सांस ली। प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी मौसम में बदलाव देखा गया। ग्वालियर और मुरैना सहित कई इलाकों में आंधी और बारिश का असर रहा। वहीं, रायसेन में भी मौसम ने करवट ली है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, 30 और 31 मई के साथ 1 जून को भी प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर ओले गिरने की भी संभावना है। विशेष रूप से 30 मई को अधिक जिलों के लिए आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

'सार्वजनिक वितरण प्रणाली में स्वचालन के साथ आय' योजना के लिए मंजूरी सराहनीय, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का माना आभार

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा सार्थक-पीडीएस फेज-2 के लिए 25 हजार 530 करोड़ की मंजूरी देने पर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि 'राशन परिवहन और प्रबंधन में सहायता- सार्वजनिक वितरण में स्वचालन के साथ आय' की यह पहल सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सार्थक- पीडीएस योजना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य आधुनिक तकनीकों के उपयोग से राशन वितरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी हो सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का यह निर्णय गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत एक दशक में टीपीडीएस के संपूर्ण कम्प्यूटरीकरण, पीडीएस के एकीकृत प्रबंधन (आईएम-पीडीएस) और स्मार्ट पीडीएस जैसी कई डिजिटलीकरण पहलों को लागू करने के साथ ही मेरा राशन, अन्न मित्र, राइटफुल टारगेटिंग डैशबोर्ड और अन्न सहायता जैसी नागरिक-केंद्रित प्राथमिकताओं को भी लागू किया गया है।

मंदसौर में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, कार में फंसे 2 युवकों को निकाला

शराब पीने की आशंका, महू-नीमच हाईवे पर हादसा

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के पिपलियामंडी थाना क्षेत्र में महू-नीमच हाईवे पर गुरुवार रात एक सड़क हादसा हो गया। चौपाटी इलाके के पास एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर की रेलिंग से जा टकराई। हादसे में सुवासरा निवासी दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल (मंदसौर) रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुर्घटना गुरुवार रात करीब 12 बजे हुई। कार नीमच से मंदसौर की तरफ आ रही थी। रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सीधे रेलिंग में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

कार पर नंबर प्लेट नहीं, नशे में होने की चर्चा: लोगों ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त स्विफ्ट कार पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि कार सवार दोनों युवकों ने भारी मात्रा में शराब पी रखी थी। हालांकि, पुलिस की तरफ से फिलहाल नशे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

कार में फंसे थे युवक, टोल एंबुलेंस टीम ने पहुंचाया अस्पताल: हादसे के बाद दोनों युवक बुरी तरह क्षतिग्रस्त वाहन में फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। घायलों की पहचान सुवासरा निवासी कालू सिंह (पिता मदन सिंह) और प्रताप सिंह (पिता ईश्वर सिंह) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही टोल एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंची। ईएमटी (EMT) विशाल गिरीश भाटी, असिस्टेंट राहुल ब्रजवानी और पायलट मुकेश मालवीय ने घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया। हालत गंभीर होने पर दोनों को जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे के बाद क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को थाने भिजवा दिया गया है।

खरीफ 2026 की तैयारी तेज, जिले में 3.70 लाख हेक्टेयर में सोयाबीन बोवनी का अनुमान

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। खरीफ वर्ष 2026 को लेकर जिले में कृषि विभाग द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस वर्ष जिले में लगभग 3 लाख 70 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सोयाबीन बोवनी का अनुमान लगाया गया है। अनुमानित रकबे को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए लगभग 80 हजार क्विंटल सोयाबीन बीज की आवश्यकता निर्धारित की गई है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने हेतु शासकीय एवं निजी स्तर पर पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है। वर्तमान में राष्ट्रीय बीज निगम (NSC), बीज निगम, बीज संघ तथा किसान उत्पादक संगठन (FPO) के पास लगभग 50 हजार क्विंटल सोयाबीन बीज उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जिले के निजी बीज विक्रेताओं एवं डीलरों के पास करीब 35 हजार क्विंटल बीज का भंडारण मौजूद है। अधिकारियों का कहना है कि उपलब्ध बीज की मात्रा जिले की आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त है तथा किसानों को समय पर बीज वितरण सुनिश्चित करने के लिए सतत निगरानी की जा रही है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को प्रमाणित एवं उन्नत किस्म के बीज उपयोग करने की सलाह दी जा रही है ताकि बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके। विभागीय अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि वे अधिकृत विक्रेताओं से ही बीज क्रय करें तथा बीज खरीदते समय बिल एवं टैग अवश्य प्राप्त करें। साथ ही बोवनी पूर्व बीजोपचार अपनाने एवं मौसम अनुकूल कृषि कार्य करने की सलाह भी दी गई है। खरीफ सीजन को सफल बनाने के लिए जिले में बीज उपलब्धता, उर्वरक वितरण एवं कृषि आदानों की सतत समीक्षा की जा रही है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पचमढ़ी के बजाय इस बार सेठानी घाट पर आम महोत्सव मालदा, मल्लिका समेत 40 किस्मों के आमों लगेगी प्रदर्शनी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में इस बार पचमढ़ी के बजाय जिला मुख्यालय स्थित सेठानी घाट पर आम महोत्सव का आयोजन होगा। 30, 31 मई को दो दिवसीय मैंगो फेस्टिवल लगेगा। जिसमें 40 से ज्यादा किस्मों के आमों की 150 प्रदर्शनी लगेगी। 30 मई को आम महोत्सव का शुभारंभ होगा। फेस्टिवल में किसान व आम लोगों को आम की विभिन्न प्रजातियों से अवगत कराया।

आम पैदावार की विधियों और लोगों को आम के पौधें लगाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से इसका आयोजन होगा। आमों के अलग अलग वजन रंग, रूप को देखने को मिलेंगे।

बाम्बेग्रीन, मालदा, मल्लिका आम रहेंगे आर्कषण का केंद्र: उद्यानिकी विभाग की उप संचालक रीता उईके ने बताया कि फेस्टिवल में 40 से ज्यादा किस्मों के आमों के 150 स्टॉल लगाएं जाएंगे। जिसमें रायल मिश्री, सुन्दरजा, मालदा, फजली, चौसा, स्वणरेखा, जरदालू, स्वणरेखा, मल्लिका पगारा से पयारी, सावनिया, बाम्बेग्रीन, कृष्ण भोग, मालगोवा, नीलम, दशहरी, बादाम, लंगड़ा समेत अन्य आम है। पचमढ़ी, मटकुली, माखननगर के सबसे फेमस बाम्बेग्रीन, मालदा, मल्लिका आम के साइज और स्वाद आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

सागर में सड़क किनारे मिला 31 वर्षीय युवक का शव नाक-मुंह से बह रहा था खून

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के बहेरिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक 31 वर्षीय युवक का शव सड़क किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। मृतक की पहचान बरारू गांव निवासी अमित (पिता तुलाराम पटेल) के रूप में हुई है। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों ने युवक के नाक-मुंह से खून बहता देख हत्या की आशंका जताई है।

मृतक के चाचा बैजनाथ पटेल ने बताया कि अमित गुरुवार रात करीब 8 बजे घर से बाहर गया था। वह कहां और किसके साथ गया, इसकी परिजनों को कोई जानकारी नहीं थी। देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटा, तो परिवार वाले चिंतित थे। शुक्रवार सुबह अचानक उन्हें सूचना मिली कि मुनमुन ढाबे के सामने सड़क किनारे अमित का शव पड़ा हुआ है।

विवाद और हत्या का शक: सूचना मिलते ही परिजन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि अमित के मुंह और नाक से खून बह रहा था।

परिजनों का कहना है कि चोट और खून देखकर साफ लग रहा है कि अमित का किसी से विवाद हुआ है और उसकी हत्या की गई है। उन्होंने पुलिस से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों का पता लगाने की मांग की है।

ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम 1 से 12 जून तक होगी अग्निवीर भर्ती की ऑनलाइन परीक्षा परीक्षा केंद्रों पर होगा क्लर्क व स्टोर कीपर का टाइपिंग टेस्ट

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए 'ज्वाइन इंडियन आर्मी' की वेबसाइट पर पंजीकृत अभ्यर्थियों की ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) 1 जून से 12 जून 2026 तक भोपाल के दो परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। विभिन्न श्रेणियों के लिए यह परीक्षा प्रतिदिन चार शिफ्टों में होगी। इस वर्ष से अग्निवीर क्लर्क और स्टोर कीपर (टेक्निकल) के पदों पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का टाइपिंग टेस्ट भी ऑनलाइन परीक्षा केंद्र पर ही लिया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए एडमिट कार्ड 15 मई 2026 से भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट (www.joinindianarmy.nic.in) पर उपलब्ध करा दिए गए हैं, जहां से अभ्यर्थी इन्हें डाउनलोड कर सकते हैं। सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ऑनलाइन परीक्षा (सीईई) के लिए भोपाल में दो केंद्र बनाए गए हैं। पहला केंद्र आईओएन डिजिटल जोन (आईडीजेड) प्रेस्टीज श्री जयराम एजुकेशन सोसायटी, कोकता बायपास, रायसेन रोड और दूसरा केंद्र आईओएन डिजिटल जोन (आईडीजेड) आरजीपीएम, सांखेड़ी, दानिश कुंज, कोलार रोड पर स्थित है। सभी अभ्यर्थियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एडमिट कार्ड का प्रिंटआउट अनिवार्य रूप से अपने साथ लाएं। साथ ही एडमिट कार्ड पर दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करें और निर्धारित समय पर अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचें। भारतीय सेना में चयन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है और चयन केवल योग्यता (मेरिट) के आधार पर किया जाता है। सेना भर्ती कार्यालय ने सभी अभ्यर्थियों को दलालों और धोखाधड़ी करने वालों से सावधान रहने की सख्त हिदायत दी है। भर्ती से संबंधित किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण या सहायता के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल के दूरभाष क्रमांक 0755-2540954 और 9039018588 पर कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

कौशल विकास प्रशिक्षण 2026-27 के लिए 12 जून तक करें ऑनलाइन आवेदन, 39 ट्रेडों में प्रशिक्षण उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 12 जून 2026 तक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट https://mpkhadigramodyog.com पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत प्रत्येक जिले में सामान्य रूप से 30 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाएगा, जिसमें 30 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन के लिए अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना और आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है। साथ ही आवेदक ने पूर्व में किसी शासकीय विभाग से निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्राप्त न किया हो। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे और जिला स्तरीय समिति द्वारा दस्तावेजों का सत्यापन एवं पात्रता जांच के बाद चयन किया जायेगा।

आवेदकों को अपनी रुचि के अनुसार प्राथमिकता क्रम में तीन ट्रेड चुनने होंगे। चयनित प्रशिक्षणार्थियों को आवासीय प्रशिक्षण के दौरान आवास और भोजन की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रशिक्षण समाप्ति के बाद परीक्षा आयोजित कर ग्रेड के अनुसार छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। आवेदन करते समय समग्र आईडी, आधार नंबर और सभी दस्तावेज स्पष्ट एवं सही रूप में अपलोड करना अनिवार्य है तथा समग्र आईडी और ई-केवाईसी संबंधी निर्देशों का पालन करना होगा। अधिक जानकारी और सहायता के लिए अभ्यर्थी हेल्पलाइन नंबर 0755-2552714 पर संपर्क कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में कुल 39 प्रशिक्षण ट्रेड उपलब्ध कराए गए हैं। प्रशिक्षण की अवधि 15 दिन से लेकर 6 माह तक है। आवेदक अपनी रुचि के अनुसार 3 ट्रेड प्राथमिकता क्रम में चुन सकते हैं।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र: कम्प्यूटर हार्डवेयर रिपेयरिंग - 3 माह, 500 घंटे, कम्प्यूटर एकाउंट विथ टेली - 3 माह, 500 घंटे, मोबाइल रिपेयरिंग - 2 माह, 400 घंटे, डीटीपी - 3 माह, 500 घंटे

इलेक्ट्रिकल क्षेत्र: इलेक्ट्रीशियन घरेलू उपकरण - 3 माह, 600 घंटे, मोटर वायरिंग - 3 माह, 600 घंटे, इलेक्ट्रीशियन - 4 माह, 700 घंटे, इलेक्ट्रीशियन इंडस्ट्रियल - 4 माह, 700 घंटे, सोलर पैनल इंस्टालेशन 3 माह, 500 घंटे, गारमेंट्स एवं फैशन डिजाइनिंग, बेसिक सिलाई गारमेंट्स - 3 माह, 520 घंटे, फैशन डिजाइनिंग - 3 माह, 480 घंटे, हैंड एम्ब्रायडरी - 3 माह, 520 घंटे जिग-जैग मशीन एम्ब्रायडरी - 3 माह, 680 घंटे, एडवांस फैशन डिजाइनिंग - 6 माह, 1040 घंटे, फैशन टेक्नोलॉजी - 6 माह, 1040 घंटे, ट्राउजर कटिंग, जोधपुरी जैकेट, फैब्रिक ड्रॉफ्टिंग जैसे ट्रेड भी शामिल हैं

निर्माण एवं अन्य पारंपरिक कौशल: प्लम्बर, राजमिस्त्री - 3 माह, 500 घंटे, बेकरी - 2 माह, 350 घंटे, अगरबत्ती निर्माण - 2 माह, 260 घंटे, कृत्रिम आभूषण निर्माण - 2 माह, 320 घंटे, जरी जरदोजी - 4 माह, 680 घंटे

लेदर एवं हैंडीक्रॉफ्ट: लेदर फुटवेयर, लेदर गुड्स, लेदर फुटवेयर ऑपरेटर - 3 माह, 480 से 560 घंटे, बाटिक प्रिंटिंग, टाई एंड डाई, ब्लॉक प्रिंटर - 3 माह, 500 घंटे

अन्य ट्रेड: दोना-पत्तल निर्माण - 15 दिन, 120 घंटे, मधुमक्खी पालन - 1 माह, 200 घंटे, स्पिनिंग चरखा - 1 माह, 150 घंटे, प्लेन वीविंग, एडवांस वीविंग, बेसिक वीविंग - 1 से 4 माह, रिटेल सेल एसोसिएट, असिस्टेंट फैशन सेल्स - 3 माह, 520 से 680 घंटे।

बाइक और पत्थर के बीच में फंसा युवक, मौत

बुरहानपुर में सड़क हादसे में मृतक की नहीं हो पाई पहचान

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुरः इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर गुरुवार दोपहर एक बाइक दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। यह हादसा दहीनाला हसनपुरा के पास हुआ। सूचना मिलने पर निंबोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को बुरहानपुर जिला अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 2 बजे युवक अपनी बाइक (MP 68 ZB-6710) के साथ रोड से नीचे एक नाले में बाइक के नीचे दबा मिला। पुलिस को लगभग ढाई बजे इसकी सूचना मिली। शाम 5 बजे तक भी मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वह जैनाबाद क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है, हालांकि इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।

निंबोला थाना प्रधान आरक्षक प्रतापसिंह तोमर ने बताया कि दहीनाला हसनपुरा के बीच हुए इस हादसे में युवक की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं। हादसा कैसे हुआ, पुलिस इसकी जांच कर रही है। युवक के सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हुई।

रीवा-चारलापल्ली समर स्पेशल ट्रेन जून में 4 चक्कर लगाएगी

प्रत्येक रविवार-सोमवार को संचालित होगी, इटारसी-रानी कमलापति पर ठहराव

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे ने गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रीवा से चारलापल्ली के बीच साप्ताहिक समर स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन जून महीने में चार चक्कर लगाएगी और मध्यप्रदेश के यात्रियों को राहत देगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 02158 रीवा-चारलापल्ली साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 7 जून से 28 जून तक प्रत्येक रविवार को संचालित होगी। यह ट्रेन रीवा स्टेशन से दोपहर 12:30 बजे प्रस्थान करेगी।

इसके प्रमुख ठहराव सतना (1:40 बजे), मैहर (2:08 बजे), कटनी मुड़वारा (3:15 बजे), दमोह (4 बजे), सागर (5:10 बजे), बीना (7:35 बजे), रानी कमलापति (9:40 बजे) और इटारसी (रात 11:05 बजे) होंगे। ट्रेन अगले दिन दोपहर 2:45 बजे चारलापल्ली पहुंचेगी।

रानी-कमलापति और इटारसी जंक्शन पर ठहराव: वापसी में, गाड़ी संख्या 02157 चारलापल्ली-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 8 जून से 29 जून तक प्रत्येक सोमवार को चलेगी। यह चारलापल्ली से शाम 5 बजे रवाना होगी और अगले दिन नागपुर (1:45 बजे), इटारसी (7:30 बजे), रानी कमलापति (8 बजे), बीना (11:40 बजे), सागर (12:55 बजे), दमोह (2:05 बजे), कटनी मुड़वारा (4:10 बजे), मैहर (5:40 बजे) और सतना (6:15 बजे) पहुंचेगी। ट्रेन शाम 7:30 बजे रीवा पहुंचेगी। रेलवे के अनुसार, इस स्पेशल ट्रेन में कुल 24 कोच होंगे, जिनमें 4 सामान्य श्रेणी, 12 स्लीपर, 4 एसी थर्ड, 1 एसी सेकंड, 1 एसी फर्स्ट कम सेकंड और 2 एसएलआर/डी कोच शामिल हैं।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सतना, मैहर, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, बीना, रानी कमलापति, इटारसी, बैतूल, आमला, नागपुर और बल्लारशाह सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे ट्रेन की समय-सारणी और ठहराव से संबंधित विस्तृत जानकारी स्टेशन, एनटीईएस, रेल मदद 139 या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त करें।

तो वैभव पर लग सकती है 50 करोड़ की बोली: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के 19 वें सत्र में जिस प्रकार से राजस्थान रॉयल्स के 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए और लगातार नये रिकार्ड बना रहे हैं। उससे उनकी मांग काफी बढ़ गयी है और कई टीमें उन्हें लेना चाहती है। इसी को देखते हुए पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि जिस प्रकार से वैभव की मांग तेजी से बढ़ी है। उसको देखते हुए अगर वैभव अगले सत्र में बड़ी आईपीएल नीलामी में उतरते हैं, तो उन पर 50 करोड़ रुपये तक की बोली लग सकती है, जिससे नीलामी का एक नया इतिहास बन जाएगा। साथ ही कहा कि वैभव सहित इन 5 अनकैप्ड खिलाड़ियों प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह, कार्तिक त्यागी और साकिब हुसैन को भी नीलामी में मोटी रकम मिल सकती है।

वर्तमान ईपीएल सीजन में वैभव ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उससे सभी हैरान हैं। उन्होंने अपनी टीम के लिए अब तक बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 680 रन बनाये हैं और वह सबसे अधिक रनों के लिए मिलनी वाली ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे हैं। पिछले आईपीएल सत्र में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें केवल 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। उनके मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए यह उम्मीद कम ही है कि

राजस्थान रॉयल्स उन्हें किसी भी कीमत पर अपनी टीम से जाने देना चाहेगी पर अगर बड़ी नीलामी के नियम बदलते हैं और वैभव नीलामी टेबल पर आते हैं, तो सभी नौ टीमें उन पर अपनी दावं लगाना चाहेंगी। आकाश के अनुसार ऐसे में वैभव पर लगाने वाली मोटी रकम से आईपीएल इतिहास में एक नया अध्याय लिखा जाएगा। उन्होंने भविष्यवाणी की है कि टीमें उन पर 30 करोड़ रुपये तक की बोली लगाने से पीछे नहीं हटेगी। चोपड़ा ने यह भी कहा कि अगर भविष्य में आईपीएल की रकम बढ़कर 200 करोड़ रुपये तक होती है, तो वैभव सूर्यवंशी 50 करोड़ रुपये में भी बिक सकते हैं। यह आंकड़ा वर्तमान आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी लखनऊ सुपर जाएंट्स के ऋषभ पंत 27 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर देगा। वैभव के अलावा, आकाश ने अगले सत्र के लिए बड़ी नीलामी में मोटी रकम हासिल कर सकने वाले कुछ अन्य अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों में सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज साकिब हुसैन, जिन्होंने अपने पहले ही सीजन में अपनी कमाल की गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया है, उन पर 8-9 करोड़ रुपये तक की बोली लग सकती है। पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह, जो बतौर बल्लेबाज और विकेटकीपर दोनों ही विकल्प देते हैं, उनकी कीमत 10-12 करोड़ रुपये तक जा सकती है। इसके साथ ही, प्रियांश आर्या, जो पिछले दो सीजन से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं उन पर भी 8-10 करोड़ रुपये तक का दांव लग सकता है। कोलकाता नाइट राइडर्स के कार्तिक त्यागी और चेन्नई सुपर किंग्स के आयुष म्हात्रे ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है जिसका लाभ इन्हें मिल सकता है। आयुष म्हात्रे 7 से 10 करोड़ रुपये और कार्तिक त्यागी 10 करोड़ रुपये से अधिक में बिक सकते हैं।

विनेश मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची डब्ल्यूएफआई

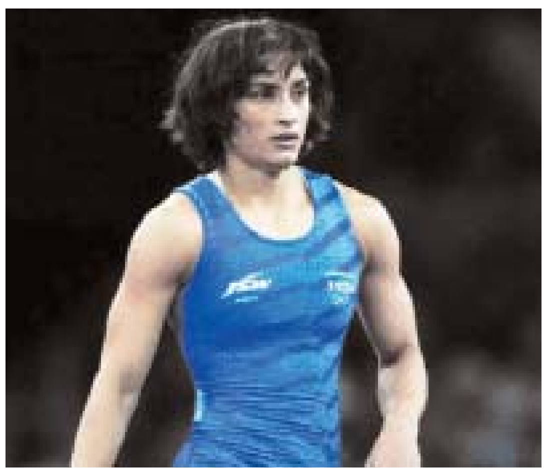

नई दिल्ली, एजेंसी। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की इजाजत देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। डब्ल्यूएफआई की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। इसके बाद ही ये स्पष्ट हो पाएगा कि विनेश ट्रायल में भाग ले सकेंगी या नहीं। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 22 मई को अपने एक आदेश में विनेश को ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने डब्ल्यूएफआई को 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स की वीडियो रिकॉर्डिंग करने का भी निर्देश दिया था, जिसमें स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ को विनेश फोगाट को भेजे गए एक नोटिस के लिए कड़ी फटकार भी लगाई थी। डब्ल्यूएफआई ने उस नोटिस में कहा था कि पेरिस ओलंपिक में विनेश का वजन ज्यादा होने के कारण बाहर होना देश के लिए शर्म का विषय था। हाईकोर्ट ने इस नोटिस को अनुचित ठहराया था। डब्ल्यूएफआई की यह चुनौती पूर्व के उन बयानों से उलट है, जिसमें महासंघ के सूत्रों ने कहा था कि वे अदालत के आदेश का सम्मान करेंगे और इस फैसले को चुनौती नहीं देंगे। हालांकि, महासंघ ने पहले यह संकेत जरूर दिया था कि अगर विनेश ट्रायल्स के जरिए क्वालीफाई कर भी लेती हैं, तो भी लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं। उनका तर्क था कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस महीने की शुरुआत में ही जापान भेजी जा चुकी है। संघ की तरफ से यह भी कहा गया था कि अगर उन्हें एक आइकॉनिक खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया भी जाता है, तो उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग में ही मुकाबला करना होगा। अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं कि वह इस जटिल मामले में क्या फैसला लेता है। शुक्रवार को होने वाली सुनवाई के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि पहलवान विनेश फोगाट के एशियाई खेलों के ट्रायल में हिस्सा लेने का मार्ग प्रशस्त होगा या उन्हें एक और कानूनी लड़ाई का सामना करना पड़ेगा।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगायी

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगा दी है। बोर्ड ने ये कदम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अत्याधुनिक संचार उपकरणों के बढ़ते चलन और उनके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया है। ऐसे में अब सहयोगी स्टाफ के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की गयी है। इसके तहत अब खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम, डगआउट और मैदान के आसपास के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस, सनग्लासेस और गॉगल्स नहीं पहन सकेंगे। यह कदम लीग की अखंडता और निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

बीसीसीआई की भ्रष्टाचार-रोधी और सुरक्षा इकाई से बोर्ड को जानकारी दी गयी थी कि कुछ कंपनियां टी20 लीग में शामिल खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को ऐसे विशेष उपकरण बेचने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही कहा गया कि स्मार्ट आईवियर प्रोडक्ट्स लाइव स्ट्रीमिंग करने, टेक्स्ट मैसेज भेजने और वाई-फाई या मोबाइल डेटा के जरिए ऑडियो-वीडियो कॉल करने में सक्षम हैं। इन क्षमताओं ने बोर्ड की चिंता बढ़ा दी है। उसे आशंका है कि इन उपकरणों का लाइव मैच के दौरान गलत इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे मैच फिक्सिंग या संवेदनशील जानकारी साझा करने जैसी गतिविधियां हो सकती हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहनने योग्य तकनीक लगातार उन्नत हो रही है, जिससे छिपे हुए संचार तरीकों को लेकर चिंता बढ़ रही है। इस कार्रवाई से साफ है कि लीग जोखिमों से निपटने के लिए लगातार सतर्क है। यह निर्देश ऐसे समय में आया है जब बीसीसीआई ने लीग पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है। इसी महीने की शुरुआत में ही बोर्ड ने एक और एडवायजरी जारी की थी, जिसमें खिलाड़ियों, टीम मालिकों और अधिकारियों द्वारा किए गए गंभीर प्रोटोकॉल उल्लंघनों के बारे में बताया गया था।

अश्विन बोले, हेड को लेकर फैसला करे सनराइजर्स

चेन्नई, एजेंसी। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद को अगले सत्र से पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड को लेकर कोई फैसला करना होगा। अश्विन के अनुसार हेड का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। अश्विन के अनुसार राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में जिस प्रकार से हेड लपरवाही से शॉट खेलकर आउट हुए उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। टीम को इस मैच में 243 रनों का बड़ा लक्ष्य हासिल करना था। ऐसे में हेड को जिम्मेदारी से खेलना चाहिये था। इसके अलाव उन्होंने ईशान किशन की भी खराब पारी के लिए आलोचना की है।

अश्विन के अनुसार हेड के अलावा सनराइजर्स के अन्य बल्लेबाजों ने भी गैरजिम्मेदाराना शॉट खेलकर अपनी टीम को जीत से दूर कर दिया। उन्होंने कहा कि टीम यह मैच आसानी से जीत सकती थी, खासकर जिस तरह से टीम ने शुरुआती ओवरों में धमाकेदार शुरुआत की थी। अश्विन ने कहा, जब टीम पहले दो ओवर में 32-34 रन और तीन ओवर में लगभग 50 रन बना चुकी थी, तब ईशान किशन का शॉट बिल्कुल गैरजरूरी था। उन्होंने अपना विकेट फेंक दिया। इतने बड़े मैच में ऐसा शॉट खेलने का कोई मतलब नहीं था।

ट्रैविस हेड के कमजोर प्रदर्शन पर भी अश्विन ने सवाल खड़े किए और फ्रेंचाइजी प्रबंधन को उनके भविष्य पर विचार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, हेड ने इस सत्र में बिल्कुल भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। मैनेजमेंट को उनके बारे में जरूर सोचना चाहिए। उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। एलिमिनेटर मुकाबले में, हेड सिर्फ 8 गेंदों में 17 रन बनाकर जोफ्रा आर्चर की गेंद पर बोल्ड हो गए, जब वह एक बड़ा शॉट खेलने का प्रयास कर रहे थे।

आईपीएल के इस सत्र में हेड का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने इस सत्र में 410 रन बनाए और केवल दो अर्धशतक लगाए, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 170.12 रहा। यह प्रदर्शन आईपीएल 2024 के मुकाबले फीका रहा, जहां उन्होंने एसआरएच के लिए विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 567 रन बनाए थे और टीम की आक्रामक बल्लेबाजी की पहचान बन गए थे। उस शानदार प्रदर्शन के बाद ही फ्रेंचाइजी ने उन्हें 14 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। पिछले दो सत्र से जिस प्रकार से हेड का प्रदर्शन नीचे आया है। उससे तय है कि अगली बार टीम शायद ही उन्हें अवसर दे।

लखनऊ सुपर जायंट्स में बड़े बदलाव होना तय

मुम्बई, एजेंसी। आईपीएल 2026 के सत्र में अंतिम स्थान पर रही लखनऊ सुपर जायंट्स में अब बड़े बदलाव की संभावना है। ये भी कहा जा रहा है कि अगले सत्र में टीम में कई स्टार खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे। ऋषभ पंत की कप्तान में टीम 14 मुकाबलों में से केवल चार में ही जीती है। जिससे उसके केवल 8 अंक ही मिले पाये। एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रकार के प्रदर्शन से प्रबंधन नाराज है और अगले सत्र के लिए एक बेहतर टीम बनाना चाहता है। रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी आईपीएल 2027 सत्र के लिए होने वाली मिनी नीलामी से पहले कई बड़े और महंगे खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जाना तय है। यहां तक कि कप्तान ऋषभ पंत भी इसस बाहर नहीं है।

टीम ने उन्हें 27 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कीमत पर टीम में शामिल किया था पर करीब दो सत्र बाद भी वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। 28 मैचों में उन्होंने सिर्फ 581 रन बनाए, जो उनकी क्षमता के हिसाब से काफी कम हैं। बतौर कप्तान भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली नहीं रहा, क्योंकि उनके नेतृत्व में टीम लगातार दो सत्र में प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। ऐसे में फ्रेंचाइजी अब उनके भविष्य पर गंभीरता से विचार कर रही है और संभव है कि उन्हें अगले सत्र में नई भूमिका या टीम से बाहर का रास्ता देखना पड़ सकता है। इसके अलवा वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन भी टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। 21 करोड़ रुपये में रिटेन किए गए पूरन ने इस सत्र में 14 मैचों में केवल 234 रन बनाए। मध्यक्रम में उनकी असफलता से टीम को कई महत्वपूर्ण मैचों में हार झेलनी पड़ी। वहीं, तेज गेंदबाज मयंक यादव अपनी तेज़ गति से तो प्रभावित करते हैं, लेकिन लगातार चोटों से जूझने के कारण वह दो सत्र में सिर्फ छह मैच ही खेल पाए हैं। फ्रेंचाइजी अब उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह का जोखिम उठाने के मूड में नहीं है, जो उनके टीम से बाहर होने का संकेत देता है। तेज गेंदबाज आवेश खान भी बेहद महंगे साबित हुए। 9.75 करोड़ रुपये में खरीदे गए आवेश ने सात मैचों में केवल छह विकेट लिए और उनका इकोनॉमी रेट 11 से भी अधिक रहा, जो टी20 क्रिकेट के लिहाज से स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा भी चोट के कारण पूरे सत्र में उपलब्ध नहीं रहे, जिससे टीम को उनके अनुभव की कमी खली। युवा बल्लेबाज अब्दुल समद को फिनिशर की भूमिका दी गई थी पर उसमें वह वह असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्टजे और बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीत्ज़के को भी इस बार अधिक अवसर नहीं मिले। ऐसे में तय है कि इन खिलाड़ियों को भी बाहर किसा जाएगा। इन बड़े बदलावों के बीच, फ्रेंचाइजी के पास अब कुछ नए विकल्प भी मौजूद हैं।

मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले टी20 में इंग्लैंड को हराया

चेल्म्सफोर्ड, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां इंग्लैंड को पहले टी20 मुकाबले को 38 रनों से हराकर चार मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। नियमिल कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिये जाने के कारण इस मैच में स्मृति मंधाना कप्तानी कर रहीं थीं पर वह बल्लेबाजी में विफल रहीं और अपना खाता भी नहीं खोल पायीं। मंधाना पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गयीं।

मंधाना,इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरैन बेल का शिकार बनी। गईं। मंधाना किसी टी20 क्रिकेटर अंतरराष्ट्रीय में मैच की पहली गेंद पर आउट होने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। मंधान के आउट होने के बाद युवा बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने 69 रन और यास्तिका भाटिया ने 54 रन बनाकर पारी संभाली। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 188 रन बनाये।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। केवल विकेटकीपर-बल्लेबाज एमी जोन्स ने 67 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज असफल रहीं। भारतीय टीम की ओर से नंदनी शर्मा ने चार ओवर में केवल 34 रन देकर 3 विकेट लिए। इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर केवल 150 रन ही बना पायी और 38 रनों से हार गयी। मंधाना की कप्तानी मे भारतीय टीम की टी20 अंतरराष्ट्रीय में ये पहली जीत है।

अंबाती ने यशस्वी को किसी अन्य टीम में जाने सुझाव दिया

हैदराबाद, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा कह है कि राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को किसी अन्य टीम में जाना चाहिये। रायडू के अनसार राजस्थान रॉयल्स में जिस प्रकार से है उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी खेल रहे हैं। उसके कारण सभी का ध्यान उनपर है। ऐसे में यशस्वी की अच्छी पारियों पर भी किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। रायुडू के अनुसार इन हालातों में यशस्वी को किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के लिए खेलना चाहिये। रायुडू के अनुसार यशस्वी अपने बल पर टीम को मैच जिता सकते हैं पर रॉयल्स में वैभव की चमक में वह पीछे होते जा रहे हैं।

रायुडू ने कहा कि यशस्वी को अब ऐसी टीम में जाना चाहिए जहां वह अपने को बेहतर तरीके से स्थापित कर सकें। रायुडू ने कहा, उसे टीम बदलनी चाहिए, क्योंकि वह हर बार वैभव के साथ बल्लेबाजी करते हुए दब नहीं सकता। वह खुद भी बड़ा खिलाड़ी है। अगर वह किसी दूसरी टीम में जाता है तो अपने बल पर टीम को मैच जिताने में सक्षम है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उसे एक ऐसा मंच चाहिये जिसपर वह खुलकर खेल सके। वैभव लगातार बाकी खिलाड़ियों पर भारी पड़ता पड़ता जा रहा है। उसके साथ एक अनुभवी साझेदार होना चाहिए जो इस स्थिति को समझ सके और मुकाबला करने का प्रयास न करे। आप उसके साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते। साथ ही कहा कि यशस्वी को मुंबई इंडियंस जाना चाहिये जहां वह पारी की शुरुआत भी कर सकते हैं। रायुडू ने माना कि मुंबई इंडियंस उनके लिए एक अच्छी फ्रेंचाइजी साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, मुंबई इंडियंस यशस्वी के लिए शानदार टीम हो सकती है। वह मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट भी खेलते हैं, इसलिए यह उनके लिए ठीक रहेगी।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को रोहित सहित इन खिलाड़ियों ने नई पहचान दी

मुम्बई, एजेंसी। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रारुप आजकल छाया हुआ है। इसमें तेजी से लगने वाले चौके और छक्कों से खेल का रोमांच बना रहता है। जिससे दर्शकों की भारी भीड़ स्टेडियमों में नजर आती है। टी20 प्रारुप में कई पावर हिटर हुए हैं जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से खेल को एक अलग पहचान दी है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा सहित कई ऐसे बल्लेबाज हुए हैं। जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से इस प्रारुप का रोमांच बढ़ाया है हालांकि अब रोहित ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिसा है और वह केवल लीग क्रिकेट ही खेलते हैं।

रोहित शर्मा = रोहित ने साल 2007 से 2024 तक के अपने शानदार करियर में 159 मैचों की 151 पारियों में 4231 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। 140.89 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए, रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक 205 छक्के दर्ज हैं, जो उन्हें इस प्रारूप का सबसे खतरनाक सलामी बल्लेबाज बनाता है।

मुहम्मद वसीम : एसोसिएट टीम संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के कप्तान मुहम्मद वसीम इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। 2021 से 2026 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने वाले वसीम ने 99 मैचों में 3371 रन बनाए हैं। 36.24 की औसत और 150.96 के तूफानी

स्ट्राइक रेट के साथ, उन्होंने 196 छक्के लगाये हैं। वसीम रोहित के रिकॉर्ड (205 छक्के) के बेहद करीब हैं, जो एक एसोसिएट नेशन के खिलाड़ी के रूप में उनकी असाधारण क्षमता को दिखाता है।

करणबीर सिंह = ऑस्ट्रिया के करणबीर सिंह ने अपने छोटे से अंतरराष्ट्रीय करियर (2024-2026) में ही अपनी छाप छोड़ी है। केवल 53 मैचों की 52 पारियों में उन्होंने 2220 रन बनाए हैं। 48.26 की बेहतरीन औसत और 172.76 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट के साथ, करणबीर ने 180 छक्के लगाए हैं, जिससे वह दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों की सूची में खड़े हो गए हैं।

सूर्यकुमार यादव : भारत के सूर्यकुमार यादव, जिन्हें मिस्टर 360 के नाम से जाना जाता है, इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। 2021 में पदार्पण करने वाले सूर्या ने 113 मैचों की 107 पारियों में 3272 रन बनाए हैं। 162.94 के लाजवाब स्ट्राइक रेट के साथ, सूर्या ने अब तक 179 छक्के लगाए हैं, जो मैदान के हर कोने में शॉट खेलने की उनकी अनोखी कला को दिखाता है।

जोस बटलर : इंग्लैंड के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर इस सूची में शामिल हैं। बटलर ने साल 2011 से 2026 तक इंग्लैंड के लिए 155 मैचों की 143 पारियों में 4037 रन बनाए हैं।

आईपीएल में वैभव के निशाने पर अब गेल के दो बड़े रिकार्ड

मुम्बई, एजेंसी। आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए कई रिकार्ड बनाये हैं। एलीमिनेटर मुकाबले में वैभव ने तूफानी पारी खेलते हुए विस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का एक सत्र में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड तोड़ा था। वहीं वैभव के निशान पर अब गेल के दो अन्य रिकार्ड हैं जिन्हें वह तोड़ सकते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव ने केव 29 गेंदों पर 97 रनों की तूफानी पारी थी। अब राजस्थान रॉयल्स क्वालीफायर 2 में आज गुजरात टाइटंस का सामना करेगा। इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल के दो बड़े रिकॉर्ड होंगे, जिन्हें तोड़ने के लिए वह पूरी तरह से कमर कस चुके हैं। वैभव ने एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने के क्रिस गेल (59 छक्के) के रिकॉर्ड को तोड़ दिय है। वह एक आईपीएल सत्र 600 रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज भी बन गए हैं। इसके अलावा, उन्होंने एक ही सत्र में तीन ऐसी पारियां खेली हैं, जिनमें 10 या उससे अधिक छक्के लगाए गए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। अब वह गेल के सबसे तेज शतक के रिकार्ड के अलावा गेल के आईपीएल में बनाए गए सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर 175 रनों के रिकार्ड को भी तोड़ने का प्रयास करेंगे। गेल के नाम केवल 30 गेंदों में सबसे तेज शतक का रिकार्ड है।

पीएम-राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सतना में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित पीएम-राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर शुक्रवार को सतना जिले में जिला स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना दावा भुगतान प्रक्रिया को सरल बनाना तथा पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाना रहा बैठक में सड़क दुर्घटना से संबंधित प्रकरणों के पंजीयन, पीड़ितों के उपचार, क्लेम प्रक्रिया तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल प्रत्येक व्यक्ति को शासन की मंशानुरूप तत्काल सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा किसी भी पात्र हितग्राही को योजना के लाभ से वंचित न रखा जाए बैठक में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, एसडीएम राहुल सिलड़िया, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) संजय श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला, एनआईसी की मैनेजर परमीत कौर, आशुतोष पायासी, अभिषेक सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे समीक्षा के दौरान दुर्घटना संबंधी मामलों के समय पर पंजीयन, आवश्यक दस्तावेजों के संधारण तथा भुगतान प्रक्रिया के त्वरित निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी प्रकरणों में आवश्यक जानकारी समय पर पोर्टल पर अपलोड की जाए, ताकि पीड़ितों को बिना किसी देरी के उपचार एवं आर्थिक सहायता मिल सके कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि पीएम-राहत योजना गंभीर सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जीवनरक्षक पहल है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर योजना के बेहतर संचालन की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र नागरिक को समय पर निःशुल्क उपचार और शासन द्वारा निर्धारित सुविधाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि योजना के प्रचार-प्रसार को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा ताकि आम नागरिकों को योजना की जानकारी मिल सके और दुर्घटना की स्थिति में वे इसका लाभ तुरंत प्राप्त कर सकें।

लू व तापघात से बचाव के लिये एडवायजरी जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। वर्तमान मौसम में गर्मी का प्रभाव बढने लगा है तथा आगामी दिवस में इसमें और बढोतरी की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए आमजनों को एडवायजरी जारी कर सलाह दी गई है कि इस मौसम में अनावश्यक दोपहर के समय घर से बाहर नही निकले। माह मई एवं जून में तापमान की अधिकता के कारण गर्म हवाओ के रूप में लू चलती है जिससे आमजनों को भी लू लगने की समस्या हो सकती है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला ने बताया, कि अत्याधिक गर्मी एवं तेज धूप के सम्पर्क में आने से शरीर में पानी एवं नमक (लवण) की कमी हो जाती है, जिससे लू लगने की संभावना बढ जाती है ऐसी स्थिति में आवश्यक सावधानियां अपनाना अत्यंत आवश्यक है। अनावश्यक धूप में निकलने से बचना चाहिये यदि आवश्यक हो, तो सिर पर कपडे या गमछे का उपयोग करे आखों पर चश्मा पहन कर चले घर से बाहर निकलने से पहले कुछ खाकर निकले जरूरी कार्य सुबह जल्दी या सायंकाल को करे। नोडल अधिकारी डॉ प्रदीप गौतम ने बताया, कि तेज बुखार, सिसदर्द, चक्कर आना, उल्टी, मुहं का सुखना, अत्यधिक प्यास लगना, कमजोरी, पूरे शरीर में दर्द, पसीना नही आना, पेशाब कम आना या पीले गहरे रंग का आना, भूख नही लगना एवं बैहोसी जैसे लक्षण लू के संकेत हो सकते है। ऐसे लक्षण दिखाई दे तो संबन्धित व्यक्ति को तुरंत छायादार एवं ठंडे स्थान पर लिटाकर प्राथमिक उपचार प्रदान करना चाहिए तथा तुरंत ही नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सक को दिखाना चाहिये। लू से बचाव के लिये अत्याधिक मात्रा में पानी एवं तरल पदार्थो का सेवन करना चाहिए, सूती वस्त्र पहनें एंव ओ.आर.एस.का घोल का सेवन करना चाहिए। धूप में लंबे समय तक कार्य करने से बचना चाहिए साथ ही दोपहर के समय किचन भट्टी पर कार्य को भी टालना चाहिये तरल पेय पदार्थ जैसे पानी, छांछ, नींबू का रस, फ्लों का रस, तरल पेय पदार्थो का उपयोग निरंतर करते रहना चाहिए। डॉ. गौतम ने बताया कि अधीनस्थ चिकित्सकों को इसके लिये निर्देश जारी कर दिये है तथा पर्याप्त मात्रा में ओ.आर.एस. एवं अन्य दवाईयां की व्यवस्था रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बच्चों का जीवन संवारने में मां बाप का अमूल्य योगदान -बाबा खिम्यादास

हर्षोल्लास से वर्सी महोत्सव संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बाबा मेहरशाह दरबार साहिब सिंधी कॉलोनी में महंत स्वामी पुरषोत्तमदास जी के सानिध्य में परम् पूज्य सतगुरु श्री 1008 महंत बाबा दयालदास साहिब जी का 44 वां वर्सी महोत्सव एवं परम् पूज्य सतगुरु श्री 1008 सतगुरु बाबा मेहरशाह साहिब जी का यादगार दिवस के समापन अवसर पर आज महंत स्वामी ईश्वरदास जी ने श्री पाठ साहिब का भोग एवं स्वामी खिम्यादास जी ने अरदास की। इस अवसर पर संतों एवं ब्राह्मण मंडल के साथ देश के कोने कोने से सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे । वही शाम को अहमदाबाद से पधारी संत श्री शेहरा वाले ने बहराणा साहिब जी की पूजा अर्चना की एवं वर्सी महोत्सव का पल्लव डाला गया। बाबा मेहरशाह दरबार के प्रमुख प्रवक्ता राजकुमार बजाज ने बताया कि सिंधी साधू समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबा खिम्यादास जी ने फ़रमाया कि बच्चों का जीवन संवारने में मां बाप का सबसे बड़ा योगदान रहता है, उसी प्रकार से संत समाज को नई दिशा देने के लिए अपना सर्वस्व योगदान अर्पित करते हैं ताकि स्वच्छ समाज का निर्माण हो सकें और ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग सुगम हो सके। इस अवसर पर महंत स्वामी कमलदास रीवा ,बाबा संतोखदास जी बाबा समाणामल जी आचार्य अमरकृष्ण जी बृंदावन, संत हंसदास जी रीवा, संत श्री शेहरा वाले सांई अहमादाबाद, मढी वाले बाबा रूद्रनाथ जी सहित ब्राह्मण पं घनश्याम दास शर्मा, पंडित प्रशांत श्रृंगी सहित ब्राह्मण एवं जग्यासी परिवार उपस्थित थे। वही शाम को अहमदाबाद से पधारी संत श्री शेहरावाली जी ने भगवान झूलेलाल सांई जी के भजनों के पश्चातबहराणा साहिब की पूजा अर्चना की वही सभी के मनोकामना पूर्ण वर्सी महोत्सव का पल्लव (प्रार्थना) डाला गया।

कोठी विद्युत मंडल की तत्परता बनी मिसाल, आंधी-तूफान के बीच कुछ घंटों में बहाल की बिजली आपूर्ति

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिलेभर में तेज आंधी, तूफान और भारी बारिश के कारण जहां बिजली व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही और कई क्षेत्रों में लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रही वहीं कोठी विद्युत मंडल ने अपनी तत्परता और बेहतर कार्यप्रणाली से लोगों का दिल जीत लिया प्राकृतिक आपदा जैसी स्थिति के बावजूद कोठी विद्युत मंडल के कनिष्ठ अभियंता हेमराज सेन एवं उनकी टीम ने महज 2 से 3 घंटे के भीतर बिजली आपूर्ति को पुनः सुचारू कर दिया। क्षेत्र में टीम की मेहनत और जिम्मेदारी की जमकर सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहली बार इतनी बड़ी आंधी और बारिश के बाद इतनी जल्दी बिजली बहाल हुई है,जिससे लोगों को राहत मिली। बिजली आपूर्ति बाधित होने के तुरंत बाद विभाग की टीम मैदान में उतर गई और खराबी को चिन्हित कर तेजी से सुधार कार्य शुरू किया। विपरीत परिस्थितियों और लगातार खराब मौसम के बावजूद कर्मचारी पूरी निष्ठा के साथ डटे रहे। विभाग की पूर्व तैयारी और त्वरित कार्रवाई का ही परिणाम रहा कि उपभोक्ताओं को लंबे समय तक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा स्थानीय नागरिकों ने कनिष्ठ अभियंता हेमराज सेन और उनकी टीम की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि कर्मचारियों ने दिन-रात मेहनत कर क्षेत्र में बिजली व्यवस्था सामान्य की। लोगों ने कहा कि विभाग की ऐसी सक्रियता अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणादायक है कोठी विद्युत मंडल की यह कार्यप्रणाली अब जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है आम नागरिकों का मानना है कि यदि सभी क्षेत्रों में इसी तरह तत्परता और जिम्मेदारी से कार्य किया जाए तो बिजली संबंधी समस्याओं का तेजी से समाधान संभव है।

आयुष विभाग का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 1 जून को चित्रकूट में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी मध्यप्रदेश शाखा भोपाल के निर्देशानुसार 1 जून 2026 को चित्रकूट क्षेत्र के ग्राम मौहकमकढ़ में निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। सेवा दिवस के अवसर पर यह शिविर प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगा। इस दौरान क्षेत्र के गरीब एवं जरूरतमंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा तथा उन्हें निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया जाएगा। जिला आयुष अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार पटेल ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को आयुष पद्धति के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना एवं उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है।

असंगठित श्रमिकों के लिए बड़ा सहारा- प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना से सुरक्षित होगा भविष्य

60 वर्ष की आयु के बाद हर महीने मिलेगी 3 हजार रुपये की पेंशन श्रमिकों को मिलेगा सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। असंगठित क्षेत्र में मेहनत कर अपने परिवार का जीवन चलाने वाले श्रमिकों के लिए केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना भविष्य को सुरक्षित बनाने वाली महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से छोटे मजदूर, रेहड़ी-पटरी व्यवसायी रिक्शा चालक निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिक एवं अन्य असंगठित क्षेत्र में कार्यरत कामगारों को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है। योजना के तहत पात्र श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद प्रतिमाह 3 हजार रुपये की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है। खास बात यह है कि श्रमिक द्वारा जितना मासिक अंशदान जमा किया जाता है उतनी ही राशि केन्द्र सरकार भी उसमें योगदान के रूप में जमा करती है। यानी यह योजना श्रमिकों के लिए साझेदारी आधारित सामाजिक सुरक्षा कवच बनकर सामने आई है। जानकारी के अनुसार 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये से कम है इस योजना का लाभ ले सकते हैं। आयु के अनुसार श्रमिक को प्रतिमाह 55 रुपये से 200 रुपये तक का अंशदान जमा करना होता है। उदाहरण के तौर पर यदि श्रमिक 55 रुपये जमा करता है तो सरकार भी उतनी ही राशि उसमें जोड़ेगी। योजना का लाभ लेने के लिए श्रमिक के पास आधार कार्ड, बचत बैंक खाता अथवा जन-धन खाता होना आवश्यक है। साथ ही आवेदक किसी अन्य केन्द्र सरकार की पेंशन योजना जैसे एनपीएस, ईएसआईसी या ईपीएफ्ओ का सदस्य नहीं होना चाहिए और आयकर दाता भी नहीं होना चाहिए। पंजीयन प्रक्रिया बेहद सरल रखी गई है। इच्छुक श्रमिक अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर आधार कार्ड एवं बैंक खाते की जानकारी देकर आसानी से रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। पंजीयन के दौरान नामिनी दर्ज कराने की सुविधा भी उपलब्ध है। प्रारंभिक अंशदान जमा करने के बाद श्रमिक को श्रम-योगी कार्ड प्रदान किया जाता है। यह योजना असंगठित क्षेत्र के लाखों श्रमिकों के लिए बुढ़ापे में सम्मानजनक जीवन और आर्थिक आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बन रही है। जिला प्रशासन ने पात्र श्रमिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में योजना से जुड़कर अपने भविष्य को सुरक्षित करें।

स्व. प्रेम सिंह की नौवीं पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब, श्रद्धांजलि सभा में गूंजे उनके कार्यों के चर्चे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। क्षेत्र के लोकप्रिय जननेता एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय भैया प्रेम सिंह की नौवीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जनसैलाब उमड़ पड़ा उनके समाधि स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों शुभचिंतकों, समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह कछवाह द्वारा गरिमामय ढंग से किया गया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय प्रेम सिंह के सामाजिक और राजनीतिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने जीवनभर क्षेत्र के विकास और जनसेवा को प्राथमिकता दी। उनके कार्यों और सादगीपूर्ण व्यवहार ने उन्हें जन-जन का प्रिय नेता बना दिया था सभा में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि स्व. प्रेम सिंह हमेशा गरीबों, किसानों और जरूरतमंदों की आवाज बने रहे। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए और लोगों के दिलों में अपनी अलग पहचान बनाई। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने और समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजेंद्र त्रिपाठी किटहा, अशोक चतुर्वेदी, रंग बहादुर सिंह 'लाला भैया ', मानवेंद्र सिंह 'मुन्ना भैया ', मंगल सिंह, राजकुमार शुक्ला बरहना, प्रेम सिंह यादव गुप्त गोदावरी, भारत पाल, रामजी निगम झरी, सुखलाल यादव, रामनारायण यादव, विनोद यादव जनपद सदस्य सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे इसके अलावा दद्दू किरहा, जितेंद्र नरदहा, सरपंच राजेंद्र सिंह नरदहा, संदीप सिंह भीयामऊ, उमाशंकर पांडेय कंदर, दीपू सिंह, विष्णु यादव, गुलाब सिंह महाराजनगर, अमर सिंह, तुलसीदास खोही, शांति स्वरूप पटेल, प्रभुदयाल पांडेय बरौंधा, मनीष पांडेय, ध्रुव द्विवेदी, रावेंद्र चौरसिया, संत लाल सोनी, विनय पांडेय मझगांवा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे श्रद्धांजलि सभा के दौरान समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम का वातावरण भावुकता और श्रद्धा से ओतप्रोत रहा। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने स्वर्गीय प्रेम सिंह के योगदान को याद करते हुए उन्हें सच्चा जननायक बताया।

बढ़ती गर्मी को देखते हुए अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, पर्याप्त पानी पीते रहें- मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रीष्मकाल के दौरान प्रदेश में बढ़ते हुए तापमान और अधिक गर्मी से होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए प्रदेशवासियों से अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने और बचाव के आवश्यक उपाय अपनाने का आह्वान किया है मुख्यमंत्री ने कहा है कि ग्रीष्मकाल के दौरान प्रदेश में बढ़े हुए तापमान और अधिक गर्मी देखते हुए सभी प्रदेशवासी अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें पर्याप्त पानी पिएं बच्चों को हाइड्रेटेड रखें और बाहर निकलते समय पानी की बोतल अवश्य साथ रखें मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवाभावी नागरिकों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करना मानवता की सच्ची सेवा है हम सभी को इस दिशा में आगे आना चाहिए।

नगर परिषद नागौद के उप चुनाव हेतु मतदान दलों का प्रशिक्षण संपन्न, चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर परिषद नागौद के वार्ड क्रमांक-13 में आगामी पार्षद पद के उप चुनाव के लिए चयनित मतदान दलों का प्रशिक्षण शुक्रवार को संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में आयोजित किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने की। इस अवसर पर जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स डॉ. बीके गुप्ता, व्याख्याता शा. पालीटेक्निक महाविद्यालय सतना बीएल बागरी इलेक्शन सुपरवाइजर द्वारिकेन्द्र सिंह, सहायक अधीक्षक केबी त्रिपाठी, अशोक कुमार आदिवासी और मो. इरफान उपस्थित रहे प्रशिक्षण के दौरान मतदान दलों को निर्वाचन प्रक्रिया मतदान सामग्री के उपयोग मतदाता पहचान ईवीएम संचालन और मतदान दिवस के दौरान पालन किए जाने वाले दिशा-निर्देशों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गईझ्र अधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक मतदान दल निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कार्य करेताकि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो उप जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने उपस्थित कर्मियों को निर्देश दिए कि मतदान स्थल पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता न हो उन्होंने कहा कि सभी दल अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पूरी सतर्कता के साथ कार्य करें और मतदाताओं को सुविधा प्रदान करें। ईवीएम संचालन और मतदाता पहचान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्रुटि न होने के लिए प्रशिक्षण में वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर अभ्यास कराया गया डॉ. बीके गुप्ता और बीएल बागरी ने मतदान दलों को मतदान केंद्र पर संभावित समस्याओं के समाधान मतदाता से व्यवहार और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मार्गदर्शन दिया इलेक्शन सुपरवाइजर द्वारिकेन्द्र सिंह ने मतदान सामग्री की सही हैंडलिंग और ईवीएम संचालन के प्रैक्टिकल अभ्यास कराया। सहायक अधीक्षक केबी त्रिपाठी ने मतदान केंद्र की व्यवस्था सुरक्षा और मतदान के दौरान ड्यूटी करने वाले कर्मियों की जिम्मेदारी पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई प्रशिक्षण कार्यक्रम में यह भी जोर दिया गया कि मतदान दलों को मतदाता की पहचान, वोटिंग प्रक्रिया में सहयोग और किसी भी प्रकार के दबाव या प्रभावित करने की कोशिश से पूरी तरह बचना होगा अधिकारियों ने कहा कि यह जिम्मेदारी केवल प्रशासन की नहीं बल्कि प्रत्येक मतदान दल की भी है कि वे मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाएं इस प्रकार प्रशिक्षण कार्यक्रम में मतदान दलों को तैयार कर उन्हें उप चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रशिक्षित किया गया। उपस्थित अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि नगर परिषद नागौद का यह उप चुनाव स्वतंत्र निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होगा प्रशिक्षण के दौरान मतदान दलों ने उत्साह और गंभीरता के साथ सभी निर्देशों को समझा और उनके पालन का संकल्प लिया इस आयोजन ने यह सुनिश्चित किया कि आगामी उप चुनाव में मतदान दल पूरी तत्परता और दक्षता के साथ जिम्मेदारियाँ निभाएं और मतदाता सुविधा को प्राथमिकता दी जाए।

राहवीर योजना बनी जिंदगी बचाने का संकल्प दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने वाले को मिलेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सड़क पर किसी घायल की तड़पती जिंदगी को बचाने के लिए बढ़ाया गया एक हाथ अब केवल इंसानियत की मिसाल ही नहीं बनेगा बल्कि शासन द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा सड़क दुर्घटनाओं में समय पर उपचार उपलब्ध कराने और आमजन को निसंकोच मदद के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से लागू की गई राहवीर योजना मानवता और संवेदनशीलता की नई पहचान बनकर उभर रही है। योजना के तहत यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पीड़ित को दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर यानी पहले एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में मदद करता है तो उसे शासन द्वारा 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी दरअसल कई बार सड़क हादसों में घायल लोग केवल इसलिए समय पर इलाज नहीं पा पाते क्योंकि राहगीर पुलिस कार्रवाई, पूछताछ या कोर्ट-कचहरी के झंझट के डर से मदद करने से बचते हैं। लेकिन अब शासन ने साफकर दिया है कि घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को पुलिस द्वारा किसी प्रकार की अनावश्यक पूछताछ या परेशान नहीं किया जाएगा यही वजह है कि राहवीर योजना लोगों में भरोसा और संवेदनशीलता दोनों बढ़ा रही है विशेषज्ञों के अनुसार दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा सबसे महत्वपूर्ण होता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।